

Class-12

HINDI

**GENERAL EDUCATION DEPARTMENT
SAMAGRA SHIKSHA KERALA**

उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

कक्षा XII

Part-II

हिंदी

समग्र शिक्षा केरल

हिंदी

कक्षा 12

इकाई एक

मातृभूमि



बेटी के नाम



मेरे भारतवासियो... .



इकाई दो

सूरीनाम में पहला दिन



मेरे लाल



दोस्ती



പോക്കെന്ന് ഒരിയയിലുള്ള ഈ 6
പാഠങ്ങളിൽനിന്നുമുള്ള
പ്രധാന ചോദ്യങ്ങൾ നമ്മക്ക് പരിചയപ്പെടാം





विधा: १

आस्वादन टिप्पणी



अनुसंधानकर्तारीन्हूँ नीडेश्वरीकर्स सुपरिचितमायीरिकर्णं अलेषु?

ऐ अनुसंधानकर्तारीन्हूँ एषत्रुगेवाश्च श्रव्यिकेणै कार्यान्वये
एवेन्ताकेयाण्? गोक्कियालो?



- ◆ कवी परिचयं उल्लेखाकरणं
- ◆ काव्यारथे करित्रैषताणं
- ◆ कवित्युद अशयं व्यक्तमाकरणं
- ◆ सपनं काष्ठपूर्विते कवितये विश्वकलनं चेयुणं

ह्व श्रव्यित्र्यै ऐ अनुसंधानकर्तारीन्हूँ एषत्री गोक्कियालो?

नमकर्स ऐ चेऽप्यमात्रक गोक्कां....

पाकर तुझसे सभी सुखों को हमने भोगा ।
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा?
तेरी ही यह देह, तुझी से बनी हुई है ।
बस तेरे ही सुरस - सार से सनी हुई है ॥ ॥
फिर अंत समय तू ही इसे अचल देख अपनाएगी ।
हे मातृभूमि ! यह अंत में तुझमें ही मिल जाएगी ।



1 कवितांश की आस्वादन- टिप्पणी तैयार करें ।

ആମ୍ବାଦିନଙ୍କରୀଠୁଁ ତୟାରାକାଳେ ଉଛୁନ୍ତ ଚୋତ୍ଯମାଣୀତ୍ ।
ଆମ୍ବାଦିନଙ୍କରୀଠୁଁ ଏହାଜଣ ତୟାରାକାଳୀ ? ନାହିଁ କିମ୍ବାକାଳୀ ।

➤ ହୁଏ ବରିକରୀ ଏହିଏ କବିତାଯିଲେତାଣୀ ?	ମାତୃଭୂମି
➤ ହୁଏ କବିତ ଆର୍ଥିକାତୀଯତାଣୀ ?	ମୈଥିଲିଶରଣ ଗୁପ୍ତ ଜୀ କି କବିତା ହୈ ।
➤ ମେମଧିଲୀ ଶରଣୀ ଗୁରୁଷୀ ଏହିଏ କାଳ୍ୟାନ୍ତରିକାରୀ କବିତାଣୀ ?	ଦ୍ଵିଵେଦୀ ଯୁଗ କେ
➤ ଡିଵେତୀ ଯୁଗତାରୀ କବିତକ୍ଷଣ ପ୍ରତ୍ୟେକତକରୀ ଏଣନ୍ତାକେଣ୍ଯାଣୀ ?	ଦ୍ଵିଵେଦୀ ଯୁଗ କି କବିତା ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟତା ତଥା ସମାଜ - ସୁଧାର କି ଭାବନାଓଁ ସେ ମୁଖରିତ ହୈ । ଦେଶପ୍ରେମ, ମାନବତାଵାଦ ତଥା ସବ୍ରଚ୍ଛଂଦ ପ୍ରକୃତି ଚିତ୍ରଣ ଇସ ସମ୍ୟ କି ବିଶେଷତାଏଁ ହୁଏ ।

<p>➤ नमुक्ते हृष्टा नुवाणित्तं हृवीद नीन् कीटी हृणाण् कवी परियुगतः?</p>	मातृभूमि से
<p>➤ हृष्टुकेकाण्डाण् मातृज्ञमिक्ते प्रत्युपकारं चेष्टा नै नमेष्मकेकाण्डाकील्ला हृण् कवी परियुगतः?</p>	जिस प्रकार माँ की ममता का प्रत्युपकार नहीं कर सकते उसी प्रकार मातृभूमि का भी प्रत्युपकार हम नहीं कर सकते ।
<p>➤ नमुदे चेतनयृ शौरीततत अवसानं अन्ते स्वीकरित्तं हृणाण् कवी परियुगतः?</p>	हमारा शरीर मातृभूमि की मिट्टी से बना हुआ है । मृत्यु के बाद इस शरीर को मातृभूमि वापस स्वीकार करेगी ।

हुनी हुए प्रयान अनुशयज्ञात्मे चेतततत्त्वती आस्वादन- टिप्पणी तथ्याराक्षामहेष्टा?



प्रस्तुत पंक्तियाँ दविवेदी युग के प्रसिद्ध कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त दवारा लिखी गयी हैं । दविवेदी युग की कविता राष्ट्रीयता तथा समाज सुधार की भावनाओं से मुखरित है । देशप्रेम, मानवतावाद तथा स्वचंद्र प्रकृति चित्रण इस समय की विशेषताएँ हैं । साकेत, यशोधरा, पंचवटी आदि आपकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं ।

मातृभूमि गुप्त जी की एक प्रसिद्ध कविता है । प्रस्तुत कवितांश में मातृभूमि की विशेषताएँ व्यक्त करते हैं । हमारे सभी सुखों का कारण मातृभूमि है । जिस प्रकार माँ की ममता का प्रत्युपकार नहीं कर सकता , उसी प्रकार मातृभूमि का भी प्रत्युपकार हम नहीं कर सकते । हमारी देह मातृभूमि की मिट्टी से बनी हुई है । मृत्यु के बाद इस शरीर को मातृभूमि वापस स्वीकार करेगी । मातृभूमि से किए गए उपकारों का प्रत्युपकार देना आसान नहीं है सरल शब्दों में कवि मातृभूमि के लिए अपनी जान अर्पित करने की प्रेरणा दे रहे हैं । यहाँ देशप्रेम, प्रकृति से अटूट संबंध आदि देख सकते हैं । कविता की भाषा एवं भाव अत्यंत सरल एवं सारगर्भित है ।

अनुपातन करीन्हुँ हृष्टवेन हृष्टतान् हृण् मनमूलायि काणामहेष्टा ?

ਹੁਣੀ ਓਤ ਚੋਡ੍ਹਾਂ ਕਰਾਲੀ ਹੁਣੁ ਪੋਲੇ ਅਨੁਸਾਰਨਕਿਨੀਪੂਕਲੀ ਏਝਤਾਰੀ ਪ੍ਰਯਾਸਾਂ
ਉਣਭਾਕੀਲ੍ਹੁਛ੍ਹਾ?

ਓਤ ਚੋਡ੍ਹਾਂ ਗੋਕਲੀਯਾਲੋ?

ਸੂਚਨਾ: ਗੀਤ ਕਾ ਯਹ ਅੰਸ਼ ਪਢੋ।

ਧੇ ਦੋਸਤੀ

ਹਮ ਨਹੀਂ ਤੋਡ੍ਹੇਂਗੇ

ਤੋਡ੍ਹੇਂਗੇ ਵਸ ਮਾਰ

ਤੇਰਾ ਸਾਥ ਨਾ ਛੋਡ੍ਹੇਂਗੇ

ਮੇਰੀ ਜੀਤ, ਤੇਰੀ ਜੀਤ

ਤੇਰੀ ਹਾਰ, ਮੇਰੀ ਹਾਰ

ਸੁਨ ਏ ਮੇਰੇ ਧਾਰ

ਤੇਰਾ ਗਮ, ਮੇਰਾ ਗਮ

ਮੇਰੀ ਜਾਨ, ਤੇਰੀ ਜਾਨ

ऐਸਾ ਅਪਨਾ ਪਾਰ

ਜਾਨ ਪੇ ਭੀ ਖੇਲੋਂਗੇ

ਤੇਰੇ ਲਿਏ ਲੇ ਲੋਂਗੇ

ਸਬਸੇ ਦੁਖਮਨੀ. . . ਧੇ ਦੋਸਤੀ।



2 गीत की आस्वादन - टिप्पणी तैयार करें।

उत्तमता का अनुभव उत्तमता का अनुभव उत्तमता का अनुभव
उत्तमता का अनुभव उत्तमता का अनुभव उत्तमता का अनुभव

निम्नलिखित मूल्यांकन सूचकों के आधार पर व्याख्या की निजी परख करनी चाहिए।



- कवि का परिचय है
- काव्यधारा और रचनाकाल की सूचना है
- कविता का सार है
- अपने दृष्टिकोण से कविता का विश्लेषण किया गया है

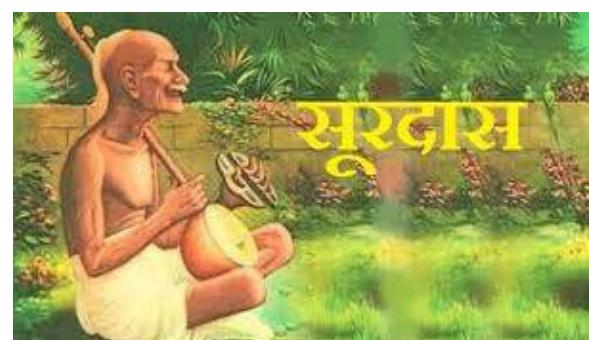


विधा २
व्याख्या



कविता भागतीर्थी व्याव्याग्रमायि षण्यप्लक् इते शोऽयौ परीक्षकै उण्डाकारुण्डं

केति कालतीले प्रमुव कृष्ण केत कवियाय सुर
आणीर्थे पदतीते नीने इते व्याव्यागं
गोकीयालो ?



ಅಥವ್ಯಂ ವ್ಯಾಪ್ತಿಗಂ ಏಷಿತ್ತುನೇರಾಗಿ ಶ್ರವಿಕೊಂಡ ಕಾರ್ಯಾಚಾರ ನೋಡಿ...


- ಪಡತಿಗಳಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಗೃಹಿಕளಾಗಿ
- ಅಥವಾ ತಿಗಳಲ್ಲಿ ವ್ಯಾಪ್ತಿಗಂ ಉಣಿಕಾಗಿ
- ಸಪರಿಗಂ ಕಾಷ್ಟಪೂರ್ವ ವ್ಯಕ್ತಿಮಾಹಿತಾಗಿ

ಇವ ಶ್ರವಿಶ್ಚ ಇತ್ಯಾದಿ ವ್ಯಾಪ್ತಿಗಂ ಏಷಿತ್ತಿ ನೋಡಿಯಾಗೋ?

ನಷ್ಟಕೆ ಹೋಡ್ಯಾಗುತ್ತಿ ನೋಡಿ?

ಸುತಸುತ ದೇಹಿ ಜಸೋದಾ ಫೂಲಿ ।

ಹರಷಿತ ದೇಹಿ ದೂರ ಕೀ ದಂತಿಯಾ ಪ್ರೇಮ ಮಗನ ತನು ಕೀ ಸುಧಿ ಭೂಲಿ ॥

ಬಾಹಿರ ತೆ ತಬ ನಂದ ಬುಲಾ ದೇಹಿ ಧೌ ಸುಂದರ ಸುಖದಾರ್ ।

ತನಕ ತನಕ ಸೀ ದೂರ ಕೀ ದಂತಿಯಾ ದೇಹಿ ನೈನ ಸುಫಲ ಕರೋ ಆರ್ ॥

ಆನಂದ ಸಹಿತ ಮಹರ ತಬ ಆ ಸುತ ಚಿತವನ ದೋತ ನೈನ ಅಧಾರ್ ।

ಸೂರ್ ಸ್ಯಾಮ ಕಿಲಕತ ದ್ವಿಜ ದೇಹಿ ಮನೋ ಕಮಲ ಪರ ಬೀಜು ಜಮಾರ್ ॥



3 ಪದ ಕೀ ವ್ಯಾಖ್ಯಾ ಕರೇ ।

ಇಂತಹ ವರ್ತಿಕಾಳಿಲ್ಲಾ ಪ್ರಯಾಗ ಅಥವಾ ತಿಗಳ ಇನ್ನ ನೋಡಿಯಾಗೋ?

→ यशोदायुध संगतांश्चतीन् कारणो हृत्यायीतान्?	अपने बेटे का मोहक चेहरा देखकर माता यशोदा बहुत खुश हुई।
→ मकरै पात्ते पल्लुकरै कलाड यशोदायुधं पीतम् हृत्यं संविच्छु?	आह्लाद के साथ बेटे के दुधिए दाँतों को देखकर लाड-प्यार में मग्न यशोदा का होश खो जाता है अर्थात् अपने आपको वह भूल जाती है।
→ तरै उर्तितावीतेव वीष्णीच्छि यशोदाहृत्यायीतिक्षेपं परियुक्तं?	वह बाहर से अपने पतिदेव नंद को बुलाकर पुत्र का सुंदर सुखदाई रूप देखने को कहती है।
→ गवयोपरोद्धयशोदाहृत्याणं परियुक्तं?	वह कहती है, पुत्र के छोटे-छोटे दुधिए दाँतों को देखने पर नयन-सुख प्राप्त हो जाता है।
→ अकरत्तं वन्मकरै पात्ते पल्लुकरै कलाड गवयोपरिक्षेपं हृत्यं तेऽनी?	पत्नी की बातें सुनकर आनंदित नंद अंदर आए, उनके मुख और चितवन खुशी से भर गए।
→ कल्परै पल्लुकरै गुरुभासं हृत्यिगेनाद्दृपमिक्षिना?	सूरदास कहते हैं कि किलकारी करनेवाले कृष्ण के दाँतों को देखकर ऐसा लगता है मानो लाल कमल पर बिजली जम गई हो।

हुनी हुऱ्ह प्रयान अठशयज्ञारै चेतितत्फृती व्याख्या तय्याराक्कामल्लौ?



अपने बेटे का मोहक चेहरा देखकर माता यशोदा बहुत खुश हुई। आह्लाद के साथ बेटे के दुधिए दाँतों को देखकर लाड़- प्यार में मग्न यशोदा का होश खो जाता है अर्थात् अपने आपको वह भूल जाती है। वह बाहर से अपने पतिदेव नंद को बुलाकर पुत्र का सुंदर सुखदाई रूप देखने को कहती है। वह कहती है, पुत्र के छोटे- छोटे दुधिए दाँतों को देखने पर नयन- सुख प्राप्त हो जाता है। पत्नी की बातें सुनकर आनंदित नंद अंदर आए, उनके मुख और चितवन खुशी से भर गए। सूरदास कहते हैं कि किलकारी करनेवाले कृष्ण के दाँतों को देखकर ऐसा लगता है मानो लाल कमल पर बिजली जम गई हो। बालकृष्ण का सौंदर्य अनुपम है। उनकी चेष्टाएँ हृदयहारी तथा अद्वितीय हैं।

व्याख्या ऐज्ञातक ऐश्वर्या० ऐल० मनमूलियाँ काळामहेश्वर०

शूली ओज चेपाइय० तत्त्वात्मै शूलु प्रोलै व्याख्या ऐश्वर्या० प्रयास० उणडाकील्लामहेश्वर०
ओज चेपाइय० ओलाक्षित.....

4 निम्नलिखित पद पढ़ें और व्याख्या करें।



जबहीं बन मुरली स्रवन परी।

चकित भई गोप कन्या सब धाम काम बिसरी ॥

कुल मरजाद बेद की आज्ञा नेकहुँ नाहिं उरी।

स्याम सिंधु सरिता ललनागन जल की ढरनि ढरी ॥

सुत पति नेह भवन जन संका लज्जा नहीं करी।

'सूरदास' प्रभु मन हरि लीन्हो नागर नवल हरी।

ଉत्तरां एषां शेषं मुलुकीर्ण्णय सूचकान्वये उपयोगी च व्याख्या
विलयीत्तरणः।

निम्नलिखित मूल्यांकन सूचकों के आधार पर व्याख्या की निजी परख करनी चाहिए ।



- पद का आशय ग्रहण किया है
- आशय की व्याख्या की है
- अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है



**विधा 3
भावार्थ**



ഭാവാർത്ഥം എഴുതാൻ ഒരു ചോദ്യം ഉണ്ടാക്കാറുണ്ട്. ഭാവാർത്ഥം എഴുതാൻ എന്തൊക്കെ കാര്യങ്ങൾ ശ്രദ്ധിക്കണം?
നോക്കിയാലോ?....



- കവിതയുടെ ആശയം ഗ്രഹിക്കണം
- ആശയത്തെ വിശകലനം ചെയ്യണം
- കവിതയുടെ ഭാവാർത്ഥം ഉണ്ടാക്കണം

ഈവ ശ്രദ്ധിച്ച് ഒരു ഭാവാർത്ഥം എഴുതി നോക്കിയാലോ?

നമ്മക്ക് ചോദ്യമാറ്റക നോക്കിയാലോ?

ये दोस्ती
हम नहीं तोड़ेंगे
तोड़ेंगे दम मगर
तेरा साथ ना छोड़ेंगे
मेरी जीत, तेरी जीत
तेरी हार, मेरी हार
सुन ऐ मेरे यार
तेरा गम, मेरा गम
मेरी जान, तेरी जान
ऐसा अपना प्यार
जान पे भी खेलेंगे
तेरे लिए ले लेंगे
सबसे दुश्मनी. . . ये दोस्ती
लोगों को आते हैं
दो नजर हम मगर
देखो दो नहीं
हों जुदा या खफा
ऐ खुदा है दुआ
ऐसा हो नहीं
खाना- पीना साथ है

मरना- जीना साथ है
सारी जिंदगी
ये दोस्ती . . .



5 गीत का भावार्थ लिखें।

हुए वरीकज्जीले प्रयाम अश्वयज्जाम छला गोक्कीयाले?

→ हुतँ एउतँ सीनीमयीले गानमाणौ?	यह शोले फिल्म का सुंदर गीत है।
→ ऐतीनकरीच्चाणौ हुए कवीतयीजै परियुगातौ?	दोस्ती का सच्चा स्वरूप हमारे सामने पेश किया है।
→ अनुराणौ मीत्रतयै करीच्चीवीद संसारीकरणातौ?	दो दोस्त अपनी दोस्ती के बारे में कहते हैं।
→ हुए क्षुद्रकाढ़ि मीत्रतयै करीच्चै ऐत्ताकेयाणौ परियुगातौ?	<ul style="list-style-type: none"> → वे कभी अपनी दोस्ती तोड़ना नहीं चाहते। → एक की जीत दूसरे की जीत और एक की हार दूसरे की हार है। एक दूसरे के लिए अपनी जान पर खेलने के लिए भी तैयार है। → एक के लिए दूसरा दुश्मनी ले लेने को भी साथ रहेगा। → लोगों के सामने वे दो शरीर नज़र आएँगे। लेकिन वे दो नहीं, एक हैं। → खुदा से उनकी प्रार्थना है कि वे कभी

जुदा न रहें, आपस में कभी नाराज़ न हो ।
 → सारी जिंदगी वे खाना - पीना साथ करेंगे,
 जीना - मरना भी साथ है ।

मुझे प्रयाम अनुशायज्ञातर्ले कुट्टी चेहरेतात् भावात्तमां नुषुत्ती गोक्का०



यह शोले फिल्म का सुंदर गीत है । इस गीत के द्वारा आनंद बख्शी ने दोस्ती का सच्चा स्वरूप हमारे सामने प्रस्तुत किया है । दो दोस्त अपनी दोस्ती के बारे में कहते हैं । वे कभी अपनी दोस्ती तोड़ना नहीं चाहते । दम तोड़ने पर भी वे दोस्ती नहीं छोड़ेंगे । एक की जीत दूसरे की जीत और एक की हार दूसरे की हार है । दोनों का गम और दोनों की जान एक ही है । एक दूसरे के लिए अपनी जान पर खेलने के लिए भी तैयार हैं । एक के लिए दूसरा दुश्मनी ले लेने को भी साथ रहेगा । लोगों के सामने वे दो शरीर नज़र आएंगे । लेकिन वे दो नहीं, एक हैं । खुदा से उनकी प्रार्थना है कि वे कभी जुदा न रहें, आपस में कभी नाराज़ न हों । सारी जिंदगी वे खाना - पीना साथ करेंगे, जीना- मरना भी एक साथ है । वे कभी अपनी दोस्ती नहीं छोड़ेंगे ।

उत्तर चेतावनी के तात्पर्य क्या है ?
 चेतावनी गोक्का०



6 पद पढ़ें और भावार्थ लिखें ।

जबहीं बन मुरली स्वन . . .

चकित भई गोप कन्या सब धाम काम बिसरी ॥
 कुल मरजाद बेद की आज्ञा नेकहु नहिं डरी ।
 स्याम सिंधु सरिता ललनागन जल की ढरनि ढरी ॥
 सुत पति नेह भवन जन संका लज्जा नहीं करी
 'सूरदास' प्रभु मन हरि लीन्हों नागर नवल हरी

ଭାବାର୍ଥମେ ଏହାକୁ କଣିତାତ୍ମକ ଶ୍ରୀ ମୁଖ୍ୟମନୀଙ୍କାର୍ଯ୍ୟ ମୁଚକଣ୍ଡଳେ ଉପଯୋଗିତ୍ବୀ ଭାବାର୍ଥମତେତତ
 ବୀଲାଯିତେତ୍ତମଛୁଟୁ?

ନିମ୍ନଲିଖିତ ମୂଲ୍ୟାଂକନ ସୂଚକୋ କେ ଆଧାର ପର ବ୍ୟାଖ୍ୟା କୀ ନିଜୀ ପରଖ କରନୀ ଚାହିଁ ।



- କବିତା କା ଆଶ୍ୟଗ୍ରହଣ କିଯା ହୈ ।
- ଆଶ୍ୟ କା ଵିଶଳେଷଣ କିଯା ହୈ ।
- କବିତା କା ସାର ଲିଖା ହୈ ।



ବିଧା 4 ଡାୟରୀ



നിങ്ങൾ ഡയറി എഴുതിയിട്ടുണ്ടോ ? ഡയറി എഴുതുമ്പോൾ ശ്രദ്ധിക്കേണ്ട കാര്യങ്ങൾ എന്താക്കിയാണെന്ന് നിങ്ങൾക്കിരിയാമോ?

നമ്മക്കോന്ന് നോക്കിയാലോ .



- ഡയറിയിൽ സംഭവത്തെക്കുറിച്ചുള്ള സൂചനയുണ്ടായിരിക്കുണ്ടോ.
- അതമണം ഘർഷത്തെക്കുറിച്ച് വ്യക്തമാക്കുണ്ടോ .
- വൈകാരികരുടെ ഉണ്ടായിരിക്കുണ്ടോ.
- അതമനിഷ്ടമായ ഭാഷയിൽ എഴുതുണ്ടോ.

ങ്ങ ഡയറി നമ്മക്കോന്ന് എഴുതി നോക്കിയാലോ .

ഡയറി എഴുതുവാരെള്ള ചോദ്യം നോക്കു.



7

" तुमने अपने कैदी बाप को खत भेजा । खत क्या भेजा, मेरी जान, आँसूनामा था । बेटे ने पढ़कर सुनाया । एक दफा सुना, जी न भरा । " बेटी के आँसूनामा ने बादशाह के मन को विचलित कर दिया । वे उस दिन की डायरी में इसका जिक्र करते हैं । वह डायरी तैयार करें ।

യായി എഴുതുന്നതിന് മുൻപ് ഈ ചോദ്യങ്ങൾക്ക് ഉത്തരം തരാൻ കഴിയുമോ? നോക്കാം.

➤ മകളുടെ കത്ത് വായിച്ചു തിവസം ചക്രവർത്തിയുടെ മാനസികാവസ്ഥ എന്തായിരുന്നു?	ആജ കാ ദിന ആംസു സേ ഭീഗാ ഏക ദിന ഥാ।
➤ ചക്രവർത്തി ആരുടെ കത്തിനെക്കറിച്ചാണ് പറയുന്നത്?	ബേടി കു ഖത കേ ബാരേ മേം ।
➤ ചക്രവർത്തിക്ക് മകളുടെ കത്ത് വെറും ഒരു കത്തായിരുന്നോ?	നഹിം ആംസൂനാമാ ഥാ।

➤ കത്ത് വായിച്ച് ആരോക്കേ കരണ്ടിട്ടുണ്ടാകം?	മുൻ രോധാ, ബേടാ ഭീ രോധാ।
➤ പിന്ന ആരുടെ ദുഃഖത്തെക്കറിച്ചായിരിക്കും യായിരിയിൽ ചക്രവർത്തി പരണ്ടിട്ടുണ്ടാക്കു.	മേരി ബേടി ഔർ പരിവാരവാലേ സബ കിതനേ ദുഖി ഹോംഗേ।
➤ കുടുംബത്തെക്കറിച്ച് പരണ്ട ചക്രവർത്തി പിന്ന ആരുടെ അവസ്ഥയെക്കറിച്ചായിരിക്കും യായിരിയിൽ എഴുതിയത്?	മേരി ജനതാ, ദില്ലിവാലേ ഉനക്കി ക്യാ ദശാ ഹോഗീ ?
➤ ചക്രവർത്തി തന്നെക്കറിച്ച് എന്തായിരിക്കാം പരണ്ടത്?	മുൻ അബാ ഭീ ജിംദാ ഹും
➤ ചക്രവർത്തി ജീവനോടെ ഇരിക്കുന്നോൾ ജനങ്ങൾക്ക് എന്ത് സംഭവിച്ചു?	മഗര മേരേ ലിഈ.. ദേശ കേ ലിഈ.. കിതനേ ലോഗ ശഹീദ ഹോ ഗാം
➤ ആരുടെ കുറതയെക്കറിച്ചാണ് ചക്രവർത്തി യായിരിയിൽ പരാമർശിക്കുന്നത്.	യേ അംഗ്രേജ് ലോഗ ഇതനേ നിർദ്ദയ ക്യാം ബന ഗാം?

ഈ ഉത്തരങ്ങൾ വച്ച് നമുക്കൊരു യായി എഴുതി നോക്കിയാലോ ?

യായി എഴുതുന്നോൾ തീയതി എഴുതാൻ മറക്കല്ലോ. ഒരു മാതൃക നമുക്ക് നോക്കിയാലോ?



Answer

WEDNESDAY
21
JANUARY

TODAY

APPOINTMENTS

TASKS

8

9

10

11

12

1

2

3

4

5

6

7

8

आज का दिन आँसू से भीगा एक दिन था। आज बेटी का खत मिला। ... क्या वह सिर्फ एक खत है? नहीं आँसूनामा था। मैं रोया, बेटा भी रोया। मेरी बेटी और परिवारवाले सब कितने दुखी होंगे। मेरी जनता... दिल्लीवाले.. उनकी क्या दशा होगी? मैं अब भी जिंदा हूँ। मगर मेरे लिए.. देश के लिए.. कितने लोग शहीद हो गए। ये अंग्रेज लोग इतने निर्दय क्यों बन गए?

ယയरियുട ഒരു മാതൃക കണ്ടവല്ലോ? യയർ എങ്ങനെ എഴുതണം എന്ന് മനസ്സിലായോ?

നമ്മൾ ഒരു ചോദ്യം കൂടി നോക്കിയാലോ.



"दिनांक 6 जून को प्रातः सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए सूरीनाम के अफ्रिकी मूल के राष्ट्रपति रुनाल्डो वेनेत्सियान ने अपने उद्बोधन में कहा था - ' सूरीनाम और भारत के बीच प्रगाढ़ आत्मीय संबंध है। "लेखक सातवें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए सूरीनाम पहुँचे । राष्ट्रपति के उद्घाटन भाषण से वे बहुत प्रभावित हुए । इसके आधार पर लेखक की डायरी लिखें ।

ഇവ പാഠം ഓരോ വിഭാഗത്തിൽ അല്ലെങ്കിൽ ഓരോ തരത്തിലുള്ളതാണ്?

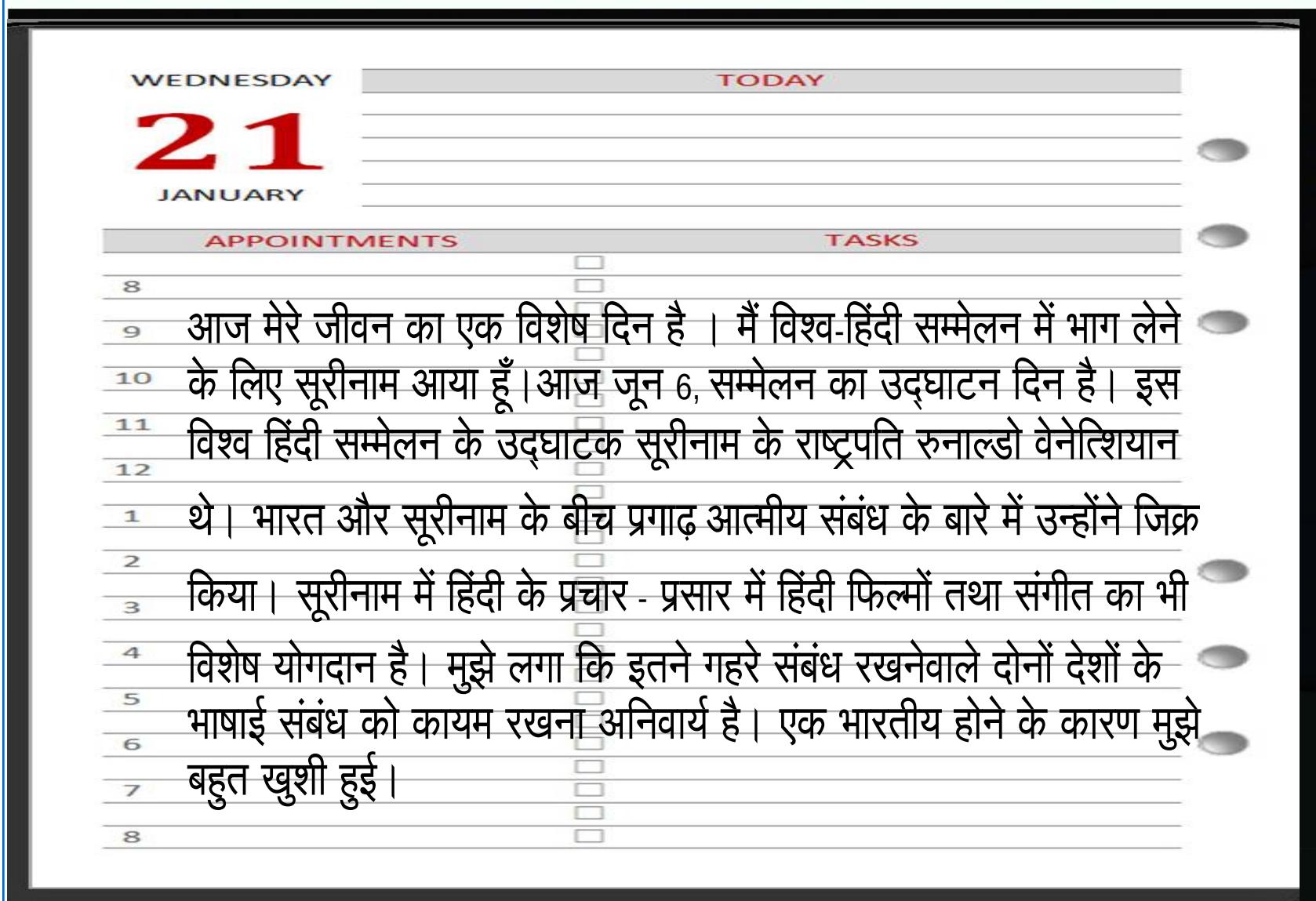
യാത്രാവിവരണം അല്ലെങ്കിൽ യാത്രാവിവരണത്തിൽ നിന്ന് ഡയറി എഴുതുമ്പോൾ ഡയറിയിൽ സഹായം കുടി രേഖപ്പെടുത്താം.

ലേവകനെ സംബന്ധിച്ച് എന്തെന്നയുള്ള ദിവസമായിരുന്നു?

आज मेरे जीवन में एक विशेष दिन है।

ലേവകൾ സുരിനാമിൽ എത്തിയത് എന്നായിരുന്നു?	മൈൻഡ് വിശ്വ – ഹിന്ദി സമ്മേളന മേഖല ഭാഗ ലേണ്ട ലിംഗം സൂരിനാമ ആയാണ്.
വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേളനത്തിന്റെ ഉദ്ഘാടന തീയം എന്നായിരുന്നു?	ആജ് ജൂൺ 6 സമ്മേളന കാ ഉദ്ഘാടന ദിന ആണ്.
വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേളനം ഉദ്ഘാടനം ചെയ്തത് ആരായിരുന്നു?	ഈ വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേളന കാ ഉദ്ഘാടന സൂരിനാമ കുറച്ചുപറ്റി രൂപീകരിച്ചിരിക്കുന്നതാണ്.
അരങ്ങേഷ്ടത്തിന്റെ പ്രസംഗത്തിൽ എന്നൊക്കെ രാജ്യങ്ങൾ തമ്മിലുള്ള ആത്മീയമായ ബന്ധത്തോട് പരാമർശിക്കുന്നത്?	ഭാരത ഔർജ്ജ സൂരിനാമ കുറച്ചുപറ്റി രൂപീകരിച്ചിരിക്കുന്നതാണ്.
സുരിനാമിൽ ഹിന്ദി പ്രചരിക്കുന്നതിനുള്ള മുഖ്യ പങ്ക് ആരുക്കാണ്?	സൂരിനാമ മേഖല ഹിന്ദി പ്രചാര -പ്രസാര മേഖല ഹിന്ദി ഫില്മോ തഥാ സംഗീത കാ ഭി വിശേഷ യോഗദാന ആണ്.
രണ്ട് ദേശങ്ങൾ തമ്മിലുള്ള ആത്മബന്ധത്തിന് ഭാഷാപരമായ ബന്ധം എത്രതോളം സഹായകരമാണ്?	മുഞ്ഞേ ലാംഗ് കി ഇതാണ് ഗഹരേ സംബന്ധ രക്ഖണ വാലേ ദോന്നോ ദേശോ കു ഭാഷാ സംബന്ധ കോ കായമ രക്ഖണ അനിവാര്യ ആണ്.
ഇന്ത്യാക്കെ കണ്ടപ്പോൾ ലേവകൾ എന്ത് തോന്തി?	ഒരു ഭാരതീയ ഹോം കു കാരണ മുഞ്ഞേ ബഹുത ഖുശി ഫുഈ.

ഈ ഉത്തരങ്ങൾ വച്ച് നമക്കായ ഡയറി എഴുതി നോക്കിയാലോ ?
 ഡയറി എഴുതുന്നവർ തീയതി എഴുതാൻ മറക്കേണ്ടി. ഈ ഡയറിയിൽ വേണാമെങ്കിൽ സഹാ.
 കൂടി എഴുതാം. ഒരു മാതൃക നമക്ക് നോക്കിയാലോ ?



ഡയറി എഴുതാൻ പരിച്ഛേഡ്യാ ? ഈ നിങ്ങൾക്ക് സ്വന്തമായി ഡയറി എഴുതാൻ കഴിയുമെല്ലാ. അപ്പോൾ ഡയറി എഴുതുവാൻ ഒരു ചോദ്യം നല്കുക.

നമ്മൾ റണ്ട് മാതൃകകൾ ചെയ്തല്ലോ. ഈ മാതൃകകൾ നന്നായി മനസ്സിലാക്കുക. അതിന് ശ്രദ്ധം ഡയറി എഴുതുക.

9



" हमें स्वतंत्र भारत का महान निर्माण करना है, जहाँ उसके सारे बच्चे रह सकें | "

नेहरुजी के भाषण से प्रेरित होकर एक छात्र डायरी लिखता है | वह डायरी तैयार करें |

सहायक संकेत :

- 1947 अगस्त 14 की मध्यरात्रि की बेला
- नेहरुजी के सपने
- भविष्य की चुनौतियाँ
- स्वतंत्र भारत का निर्माण

ഡയറി എഴുതിയതിന് ശ്രദ്ധം മുല്യനിർബ്ബന്ധ ഉപാധികൾ അല്ലെങ്കിൽ സുചകങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് ഡയറിയെ സ്വയം വിലയിരുത്തണാം. തുടക്കത്തിൽ ഡയറി എഴുതുന്നവർ ശ്രദ്ധിക്കേണ്ട കാര്യങ്ങളെങ്കിൽ വിശദീകരിച്ചിരിക്കുന്ന

നിർമ്മാണിക്കാൻ സൂചകകൾ കേന്ദ്രീകരിച്ചിരിക്കുന്ന സൂചകകൾ കേന്ദ്രീകരിച്ചിരിക്കുന്ന സൂചകകൾ കേന്ദ്രീകരിച്ചിരിക്കുന്ന



- अनुभवों की सूचना है।
- आत्मसंघर्ष की अभिव्यक्ति है।
- संवेदना की अनुभूति है।
- आत्मनिष्ठ भाषा है।



विधा : 5 संक्षेपण



नीनेह ओ ओ वलयिक संग्रहीच्च एळतीयिक्कुणेडा?

ओठायत्ते ओ ओ पारग्राहीने मुम्पीलेानायी छुतक्की अठशयं उप्पकेकाण्डे केकाण्डे एळतीयिक्कुणेडा?

ओ वलयिकये संग्रहीच्च एळतुवेवास्ते श्रुतीकेण्डे कार्यान्वयस्ते एळताकेयाणेन्ने नीनेहकरियामेडा? नमुकेकाण्डे गोक्कियालेडा.



- वलयिकयुद अठशयग्रहणा.

- ആശയങ്ങളുടെ വിശകലനം.
- ദുർഘട്ടനയ്ക്കാൻ തെരഞ്ഞെടുക്കൽ.
- ആശയങ്ങളുടെ ക്രമീകരണം.
- ആശയങ്ങൾ സ്വന്തം ഭാഷയിൽ എഴുതൽ.
- പുതിയ വണ്ണികയ്ക്ക് വേണ്ടി ഉചിതമായ ശീർഷകം കണ്ടെത്തൽ.

ഒക്കെല്ലാവും നിരവധി വിശകലനം ചെയ്യാൻ മുൻപുള്ള വിശകലനം ആശയങ്ങൾ കണ്ടെത്തൽ ചെയ്യാം.

താഴെക്കാടുത്തിരിക്കുന്ന വണ്ണികയെ സംഗ്രഹിച്ച് എഴുതുക.



10

ഗദ്യാംശ പढോ ഔർ സംക്ഷേപണ കരോ।

ഭാരത കी സേവാ കാ അർഥ ഹൈ ലാഖോ - കരോഡോ പീഡിത ലോറോ കീ സേവാ കരനാ | ഇസകാ മതലബ ഹൈ ഗരീബി ഔർ അജ്ഞാനതാ കോ മിടാനാ | ബീമാരിയോ ഔർ അവസര കീ അസ്മാനതാ കോ മിടാനാ | ഹമാരീ പീഡി കേ സബസേ മഹാന വ്യക്തി കീ ധീ മഹത്വാകാംശ രഹി ഹൈ കി ഹര ഏക ആംഖ സേ ആംസൂ മിട ജാഎ | ശായദ യേ ഹമാരേ ലിए സംഭവ ന ഹോ, പര ജബ തക ലോറോ കീ ആംഖോ മേ ആംസൂ ഹൈ ഔർ വേ പീഡിത ഹൈ തബ തക ഹമാരാ കാമ ഖത്മ നഹീ ഹോഗാ | ഔർ ഇസലിൽ ഹമേ പരിശ്രമ കരനാ ഹോഗാ താകി ഹമ അപനേ സപനോ കോ സാകാര കര സകേ |

ഈ വണ്ണികയുടെ ആശയം ഗ്രഹിക്കുന്നതിന് വേണ്ടി ആശയത്തെ വിശകലനം ചെയ്ത് ദുർഘട്ടനയ്ക്കാൻ തെരഞ്ഞെടുക്കൽ.

- भारतीय सेवीकारक
- महानाय व्यक्तियुक्त अनुग्रही
- गम्भीर सृजनात्मक साक्षात्कार

तो इन शब्दों के अधीन चेतावनी एवं चेतावनीकारक निम्नलिखित उत्तरों का गम्भीर सृजनात्मक साक्षात्कार होना।

भारतीय सेवीकारक एवं लेखक कौन हैं ?

महानाय व्यक्तियुक्त अनुग्रही एवं लेखक कौन हैं ?

ज्ञानात्मक कल्पनाएँ वर्णित करने वाले गम्भीर सृजनात्मक साक्षात्कार कौन हैं ?

हमें समाज से गरीबी, अज्ञानता, बीमारी और अवसर की असमानता को मिटाना है।

गांधीजी की महत्वाकांक्षा है कि हर एक आँख से आँसू मिटाए।

अपने सपनों को साकार करने के लिए हमें परिश्रम करना है।

इस प्रश्नोत्तर के आधार पर आशयों को अपनी भाषा में लिखने की कोशिश करेंगे।

इन शब्दों के अधीन चेतावनी एवं चेतावनीकारक निम्नलिखित उत्तरों का गम्भीर सृजनात्मक साक्षात्कार होना।

इनी गम्भीर शब्दों के अधीन चेतावनी एवं चेतावनीकारक निम्नलिखित उत्तरों का गम्भीर सृजनात्मक साक्षात्कार होना।

हमारा लक्ष्य

हमें समाज से गरीबी, अज्ञानता, बीमारियों और अवसर की असमानता को मिटाना है। गांधीजी की महत्वाकांक्षा है कि हर एक आँख से आँसू मिटाए। अपने सपनों

को साकार करने के लिए हमें परिश्रम करना है।

उत्तर वाणिजिक संग्रहीत्यूँ ऐक्षणियतीन्हीं मात्रक कलाकृतियों ? उत्तर चेताव्यूँ कूटी चेत्यूँ गोक्कीयालो।



11

निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण करें।

भाषा भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होती है। हिंदी की जननी संस्कृत की अपनी विशेषताएँ हैं। उसके साथ - साथ आज विश्व की एक प्रमुख भाषा के रूप में हिंदी भी उभर रही है। सूरीनाम में हिंदी के प्रचार - प्रसार में, हिंदी को आम आदमी तक पहुँचाने में हिंदी फिल्मों तथा संगीत का भी विशेष योगदान रहा है। हिंदी चलचित्रों के प्रति सूरीनाम के भारतवंशियों का ही नहीं, अन्य सूरीनामी लोगों का गहरा लगाव है।

इन वाणिजिक उत्तरों के बारे में इनका विशेषज्ञ विश्लेषण करें।

- भावानाओं व्यक्तिमाक्कान्तर्ज्ञ शक्तिमाय मायुरम्।
- सूरीनामीले हीन्दी प्रचारिष्ठीकरणातीन् इव्यु पक्षं वहीकरणात्।
- सूरीनामीले जनान्तर्ज्ञ गोप्यम्।

किन्तु चेताव्यान्तर्ज्ञ चेताविकां नीन्तर्ज्ञके उत्तरों तरान्तर सायीकरणों ऐनां गोक्कां।

भावानाओं व्यक्तिमाक्कान्तर्ज्ञ शक्तिमाय मायुरम् ऐतानां?	भाषा भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।
सूरीनामीले हीन्दी प्रचारिष्ठीकरणातीन् इव्यु पक्षं अन्तर्ज्ञके गोप्यम्?	सूरीनाम में हिंदी के प्रचार में फ़िल्मी गीतों और संगीत की बड़ी भूमिका है।
सूरीनामीले जनान्तर्ज्ञके कूटुंबान्तर सेव्यम् ऐनीगोक्कां?	हिंदी चलचित्रों के प्रति सूरीनामी लोगों का गहरा लगाव है।

इस प्रश्नोत्तर के आधार पर आशयों को अपनी भाषा में लिखने की कोशिश करेंगे।

हम चेतावनीकरणों द्वारा अनुशयान्वयन के सपनों विषयीकृति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। सपनों विषयीकृति के अनुशयान्वयन के कुमवलमायी एकत्री उचितमाय शीरिंशकों के कामकाले मरकिल्लू।

हमी नमके द्वयु अनुशयों विषय के चेतावनीकरणों द्वारा उत्तरान्वयन के कुममायी एकत्री जानकारी।



सूरीनाम में हिंदी

भाषा भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। सूरीनाम में हिंदी के प्रचार में फिल्मी गीतों और संगीत की बड़ी भूमिका है। हिंदी चलचित्रों के प्रति सूरीनामी लोगों का गहरा लगाव है।

ਇਹ ਪਾਂਡਾਗਤੇਤ ਅਨੱਖੀਲੇ ਇਹ ਵਣੀਕਿਥੈ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਕਾਨੂੰ ਪਰਿਚੁਲ੍ਹੋ ? ਹੁਣੀ ਕਿਨ੍ਤੂ ਕੱਝੀ ਸੁਣਨਾ ਯਿ ਵਣੀਕਿਥੈ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਕਾਨੂੰ ਕਿਉਂਮਲ੍ਹੋ ? ਅਨੇਹਾਲੁ ਪਾਂਡਾਗਤੇਤ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਤੁ ਵਾਨੇਹੁਤੇ ਇਹ ਚੋਵਾਂਦੁ ਨਾਲੁਕਟੁ ? ਨਮੂਲੁ ਰਣਕੁ ਮਾਤ੍ਰਕਕਲੁ ਚੇਤੁਲ੍ਹੋ. ਹੁਣੂ ਮਾਤ੍ਰਕਕਲੁ ਨਾਨਾਂਧੀ ਮਨ੍ਹੂਨੀਲਾਕਣਕ. ਅਨੀਂ ਸ਼ੇ਷ਾਂ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਤੁਕ.



12

ਨਿੰਨਲਿਖਿਤ ਗ੍ਰਦਾਂਸ਼ ਪਢੋ ਔਰ ਸੰਖੇਪਣ ਕਰੋ।

ਏਕ ਵਫਾ ਕੀ ਬਾਤ ਹੈ। ਈਦ ਥੀ। ਉਸ ਮੌਕੇ ਪਰ ਚੰਦ ਮੁਸਲਮਾਨ ਮੇਰੇ ਲਿਏ ਕੁਛ ਤੋਹਫੇ ਲੇਕਰ ਆਏ। ਮੈਨੇ ਉਨਸੇ ਕਹਾ, ‘ਭਾਈ, ਯੇ ਤੋਹਫੇ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਲੇ ਸਕਤਾ।’ ਉਨ੍ਹਾਂਨੇ ਜਬ ਬਹੁਤ ਕਹਾ ਤੋਂ ਕੁਛ ਤੋਹਫੇ ਲੇ ਲਿਏ। ਉਸਕੇ ਏਵਜ ਮੈਂ ਮੈਨੇ ਮਲਿਕਾ ਕਾ ਏਕ ਹਾਰ ਉਨਕੋ ਦੇ ਦਿਯਾ। ਦੂਸਰੇ ਦਿਨ ਹੁਕਮ ਆਯਾ ਕਿ ਇਨ ਸੁਗਲਾਂ ਕੇ ਪਾਸ ਜਵਾਹਰਾਤ ਬਹੁਤ ਜ਼ਧਾਦਾ ਹੈ। ਇਨ ਕੈਦਿਯਾਂ ਕੇ ਦਿਯਾ ਜਾਨੇ ਵਾਲਾ ਖਰਚਾ ਇਨਕੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਸੇ ਜ਼ਧਾਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਵਹੀ ਹੁਆ, ਜਿਸਕਾ ਡਰ ਥਾ। ਹਮਾਰਾ ਖਰਚਾ ਆਧਾ ਕਰ ਦਿਯਾ ਗਿਆ।

ਅਨੁਗਤਾਵਾਲੀ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਕਿਥੀਤੀਨੂੰ ਸ਼ੇ਷ਾਂ ਹੁਲ੍ਹੁਗੀਲ੍ਹੂਧ ਉਪਾਧੀਕਾਲੀ ਅਨੱਖੀਲੀ ਨ੍ਹੁਚਕਾਵਾਲੀ ਉਪਧੋਹਾਗੀਚ੍ਚੁੰ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਕਿਥੀਤੀਨ ਸਾਧਾਂ ਵਿਲਾਈਤਤਣਾਂ। ਤੁਟਕਿਤੀਲੀ ਸ਼ਾਂਗੁਹੀਚ੍ਚੁੰ ਘੁੜਤੁਗੇਵਾਲੀ ਛੁਖੀਕੇਣਾਡ ਕਾਰ੍ਹੁਭਾਲੇਕਾਰੀਚ੍ਚੁੰ ਵਿਗਤੀਕਰੀਚ੍ਚੀਤਣਾ। ਨਿੰਨਲਿਖਿਤ ਸੂਚਕਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਪਰ ਸੰਖੇਪਣ ਕੀ ਨਿਜੀ ਪਰਖ ਕਰੋ।



- मुख्य आशयों का चयन किया है।
- अनावश्यक विस्तार को छोड़ा है।
- अपनी भाषा को स्वीकारा है।
- उचित शीर्षक दिया है।



विधा 6 वार्तालाप



നമ്മൾ വാർത്താലാപ ഒന്നാഴ്ക്കി നോക്കിയാലോ ... വാർത്താലാപ എഴുതുന്നോൾ എന്നൊക്കെ കാര്യങ്ങളാണ് ശ്രദ്ധിക്കേണ്ടത് ...

ഒന്ന് ആലോചിച്ചു നോക്കു ...



- സ്വാഭാവികമായി ആരംഭിക്കുണ്ട്,
- ചോദ്യാത്തര ശൈലിയിലായിരിക്കുണ്ട്.
- ഒഴുക്കളുടെ ഭാഷയായിരിക്കുണ്ട്.
- സ്വാഭാവികമായി അവസാനിപ്പിക്കുണ്ട്.

ആദ്യം ചോദ്യം നോക്കാം....



13

बेटी का पत्र पढ़कर बहादुर शाह जफर बहुत दुखी हुए। इस संबंध में बहादुर शाह जफर और बेटे के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

नम്മकों एकत्री गुडगां...

ആരെല്ലാം തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ സൂചിപ്പിക്കുന്നത്?	बादशाह और बेटा
एकत്തായിരിക്കുന്ന ചക്രവർത്തിയുടെ വിഷമത്തിന് കാരണം?	बेटी का खत
മകൾ എവിടെയാണ്?	दिल्ली में
പിന്നാവെൽല്ലാം കാരണങ്ങൾ കത്തിലുണ്ടായിരുന്നു....?	दिल्लीवासियों की अवस्था
ചക്രവർത്തിയുടെ ലക്ഷ്യം എത്തായിരുന്നു?	स्वतंत्रता प्राप्ति

ಅತ್ಯಾಳೆ ಚಕ್ರವರ್ತತಿಕು ಕರತ್ತ ವಾಯಿಷ್ಟು ಕೊಡುತ್ತತ್ತಾ?	ಬೆಟೆ ನೇ ಖತ ಪಢಾ
ಮಹಿಳೆ ಕರತ್ತ ಎನ್ನಾಗೆಯುತ್ತಾಯಿತ್ತಾ?	ಖತ ಅಂಸೂನಾಮಾ ಥಾ
ಕರತ್ತ ವಾಯಿಷ್ಟು ಚಕ್ರವರ್ತತಿಯುದ ಅವಣು ಎನ್ನಾಯಿತ್ತಾ?	ಬಾದಶಾಹ ರೋಯಾ

ಈ ಸುಚನಕಳ ಮಂಟ್ಪಿಂಲೆ ವೆಚ್ಚ ಕೊಳ್ಳುತ್ತಾ ಗಂಭೀರ ವಾರ್ತಾಲಾಪ ಎಷ್ಟಿಂದಿಂದಾಗಿ.....



- | | |
|----------|--|
| ಬಾದಶಾಹ : | ಬೆಟಾ ಮೇ ಬಹುತ ದುಖಿ ಹುಂ |
| ಬೆಟಾ : | ಕ್ಯಾ ಹುಆ ಪಿತಾಜಿ ? |
| ಬಾದಶಾಹ : | ಬೆಟಿ ಕೆ ಖತ ನೇ ಮುಝೆ ಅಧಿಕ ದುಖಿ ಬನಾ ದಿಯಾ । |
| ಬೆಟಾ : | ಕ್ಯಾ ಪಿತಾಜಿ ? |
| ಬಾದಶಾಹ : | ಬೆಟಿ ಭೀ ಅಬ ಕೈದ ಮೇ ಹೈ । |
| ಬೆಟಾ : | ದಿಲ್ಲಿವಾಸಿಯೋ ಕೀ ಸ್ಥಿತಿ ಭೀ ದಯನೀಯ ಹೈ । |
| ಬಾದಶಾಹ : | ಮೇ ತೋ ಜಿಂದಾ ಹುಂ, ಲೆಕಿನ ವೆ ತೋ ದೇಶ ಕೆ ಲಿಎ ಮರ ಗಾಎ । |
| ಬೆಟಾ : | ಹಮ ಕ್ಯಾ ಕರೆ ಪಿತಾಜಿ ? |
| ಬಾದಶಾಹ : | ಹಮಾರಾ ಪರಮ ಲಕ್ಷ್ಯ ಆಜಾದೀ ಹೈ । |
| ಬೆಟಾ : | ಪಿತಾಜಿ ಮೇ ಏಕ ಬಾರ ಫಿರ ಖತ ಸುನಾಂ? |
| ಬಾದಶಾಹ : | ಹಾಁ ಬೆಟಾ , ಏಕ ಬಾರ ಫಿರ ಸುನಾಓ । |

ಈತ ಪೋಲೆ ವಾಜಿರೆ ಲಾಳಿತವುಂ ಸ್ವಾಷ್ಟವುಮಾಯ ತೀಕಿಯಿಂಲೆ ಯೆಣುಂ ಎಷ್ಟಾಗಲೆ ಮಂಟ್ಪಿಲಾಯಿಲ್ಲ
.....?

നമ്മക്ക് ഒരു ചോദ്യം കൂടി എഴുതി നോക്കിയാലോ.....



14

ഹിമാംശു ജോഷീ വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേലന മേഖലയിൽ ഭാഗ ലേണ്ട കുറവാണ് ചെയ്യേണ്ടത് **ബാത്ചീത്** അതായത് **വാർത്താപ്പ്** എന്ന് അറിയേണ്ടതാണ് Points മനസ്സിൽ കുറിക്കണം . കൂറേ ചോദ്യങ്ങളും ഉത്തരങ്ങളും നമ്മുടെ മനസ്സിലും കടന്ന പോകണം

അവ എത്രക്കുകയാണോ നോക്കാം....

ആരാക്കേ തമ്മിലുള്ള വാർത്താപ്പ് ആണ്?	ലേഖക ഔർ ഭാഗീദാര
ലേവകൾ ആരാണ്?	ഹിമാംശു ജോഷീ
ലേവകൾ എവിടെയാണ് പോയത്?	സൂരീനാമ
എത്തിനാണ് പോയത്?	വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേലന മേഖലയിൽ ഭാഗ ലേണ്ട കുറവാണ്

સંમેળનતીર્ણો ઉત્તેજાતનું આરોગ્ય કીર્તિવૃદ્ધિશુદ્ધ?	રાષ્ટ્રપતિ
રાષ્ટ્રપતીયાં પ્રસંગ વ્યક્તિગત વ્યક્તિગત?	રાષ્ટ્રપતિ કા ભાષણ આકર્ષક થા
પારામાર્ગિબોયાલે હીની પ્રચાર વ્યક્તિગત?	હિંદી કા ખૂબ પ્રચાર હૈ
આવીએ હીની ડોષ વ્યક્તિગતાનું હૃત્યતેતોષ્ટં વજૂદીનાથ?	એક સૌ તીસ સાલ પહલે ભારત કે કુછ શરીક સૂરીનામ આપે થે
આવીએ ડોરતીયાર કુદુરુતલાણોા ?	વહોં ભારતીય મૂલ કે લોગો કી સંખ્યા અધિક હૈ

શુદ્ધ સુચનકાળ ચેર્ચિંગ નાનુકોનું વાર્તાલાપ ગુજરાતી.....



- | | |
|---------|---|
| લેખક | : નમસ્તે જી |
| ભાગીદાર | : નમસ્તે |
| લેખક | : મૈં હિમાંશુ જોશી ભારત સે આયા હુઁ આપ ? |
| ભાગીદાર | : મૈં જોસ્ફ , બ્રિટન સે આયા હુઁ |
| લેખક | : આપ વિશ્વ હિંદી સમ્મેલન મેં પહુલી બાર ભાગ લે રહે હોય ? |
| ભાગીદાર | : નહીં , પિછલી બાર મુઝે બ્રિટન મેં ઇસ સમારોહ મેં ભાગ |

	लेने का अवसर मिला ।
लेखक	: आज सम्मेलन का उद्घाटन कैसे लगा ?
भागीदार	: राष्ट्रपति का भाषण आकर्षक था ।
लेखक	: यहाँ हिंदी का खूब प्रचार है ।
भागीदार	: एक सौ तीस साल पहले भारत के कुछ श्रमिक यहाँ आए थे । वे अपने साथ हिंदी को भी ले आए थे ।
लेखक	: वहाँ भारतीय मूल के लोगों की संख्या अधिक है ।
भागीदार	: अच्छा, आशा है,.. फिर कभी मिलेंगे ।
लेखक	: धन्यवाद

વાર્તાલાપ એણેગે એજુકેશન એજુકેશનામણીં મળાયીલાયીછ્યુ..... હુણી ઇઝ ચો઱્યુત્તાનીં ઉત્તરાં સ્વયં એજુક્ટિ એણોક્ષ્ય.....



14

मुरली की ध्वनि में लीन दो गोपिकाओं के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें ।

सहायक संकेत :

- मुरली की ध्वनि की मधुरिमा
- कृष्ण के प्रति अनुराग

● अपने को भूल जाना

वार्तालाप ऐड्युकेशनल ग्रोप्स ने उपयोगी वार्तालाप विलयीकरण का एक विशेष उपयोग किया है। इसका उपयोग वार्तालाप का एक विशेष विश्वासीकरण का एक विशेष उपयोग किया है। इसका उपयोग वार्तालाप का एक विशेष विश्वासीकरण का एक विशेष उपयोग किया है।



- ◆ स्वाभाविक शुरुआत है।
- ◆ प्रश्नोत्तर शैली है।
- ◆ प्रवाहमयता है।
- ◆ स्वाभाविक अंत है।



**വിധാ 7
പത്ര**



നിങ്ങൾക്കും പരിചിതമായ കത്ത് എങ്ങനെ എഴുതാമെന്ന് നോക്കാം

ങ്ക കത്തെഴുതുന്നവർ എന്തും കാര്യങ്ങളാണ് ശ്രദ്ധിക്കേണ്ടതെന്നറിയാമല്ലോ



- കത്തിന്റെ ആശയം ഗ്രഹിക്കണം
- ശരിയായ തുടക്കം വേണം
- കത്തിന്റെ ഭാഷാസശ്വലിയിലായിരിക്കണം
- കത്തിന്റെ ഫുഫറേവ പാലിക്കണം

ହୁଏ କାର୍ଯ୍ୟଙ୍କୁ ବେଳ୍ପି ନମ୍ବକୋତ କରେତରୁଥି ଗୋକ୍କିଯାଲୋ ...

କରେତରୁଥିବାରଙ୍ଗତ ଚୋତ୍ୟଂ ଗୋକ୍କି ...



16

ବେଟୀ କା ପତ୍ର ପଢ଼କର ବହାଦୁର ଶାହ ଜଫର ବହୁତ ଦୁଖୀ ହୁଏ । ଇସ ସଂବଂଧ ମେଂ ଵେ ଅପନେ ମିତ୍ର କୋ ଏକ ପତ୍ର ଲିଖିତେ ହୈ । ଵହ ପତ୍ର କଲ୍ୟନା କରକେ ଲିଖେ ।

କରତୁ ଏହିଥି ରୁଦ୍ଧିରୁଳାତିର ମୁଠୀପ୍ରତି ହୁଏ ଚୋତ୍ୟଙ୍କୁଙ୍କ ଉତ୍ତରରେ ପଠନ୍ତି ଗୋକ୍କି

ଆଜାଣ୍ଟ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତତିକୁ କରିଯାଇଛନ୍ତି	ବେଟୀ
ଆଜାଣ୍ଟ କରିଯାଇଛନ୍ତି କେବେଳିଛନ୍ତି	ବେଟା
କରିଲେ ରୁଷିରଙ୍କର ଏତାଯିତନା	ପରିଵାର କି ହାଲତ ଓ ଦିଲ୍ଲିବାସିଯୋ କେ ପ୍ରତି ଅତ୍ୟାଚାର
ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତତିଯୁଦ୍ଧ ଆବଶ୍ୟକ ଏତାଯିତନା ?	ବାଦଶାହ କି କବ୍ର ଭି ପରଦେଶ ମେଂ ତ୍ୟାହେ

ഇല്ല ഉത്തരങ്ങൾ മനസ്സിൽ വെച്ചു കൊണ്ട് നമ്മക്കായ കത്തത്തഴ്ത്തി നോക്കാം... കത്തത്തഴ്ത്തി തുടങ്ങേംവാൻ നമ്മലാവും തീയതിയും എഴുതാൻ മറക്കുത്തേ എഴുത്തി തുടങ്ങാം.....

രംഗൂൺ
1. 1. 1859

പ്രിയ മിത്ര

തുമ കൈസേ ഹോ ? മൈ യഹാഁ ദുഖി ഹും | കല ബേടി കാ ഖത മിലാ | ബേടേ നേ പട്ടകര സുനായാ | സുനകര മുഞ്ജേ
ബഡാ ദുഖ ഹുഅ | ദില്ലിവാലേ ഭീ സംകട മേം ഹൈ | ഉനപര അത്യാർ ഹോ രഹേ ഹും | ധഹ ജാനകര മുഞ്ജേ അധിക ദുഖ ഹൈ | ദേശ കേ ലിഎ
അനേക ലോഗ ശാഹീദ ഹുര | മൈ രംഗൂണ മേം ജേല മേം ഹും | മേരി കബ്ര ഭീ യഹിൻ പര തയ ഹൈ | മൈ ക്യാ കർണ്ണ ഭൈയാ ഘര മേം സബ
കുശല ഹൈന. ? ഇക്ഷര ഹമാരേ ദേശ കീ രക്ഷാ കരേ | ഇസകീ പ്രതീക്ഷാ മേം,

തുമ്ഹാരാ മിത്ര

ബഹാദുർ ശാഹ ജാഫർ

കത്തിന്റെ ഒരു മാതൃക കണ്ടില്ലോ ?

കത്ത് എങ്ങനെ എഴുതണമെന്ന് മനസ്സിലായില്ലോ....

ഇനി നമ്മക്ക് ഒരു കത്ത് കൂടി എഴുതി നോക്കിയാലോ ..?

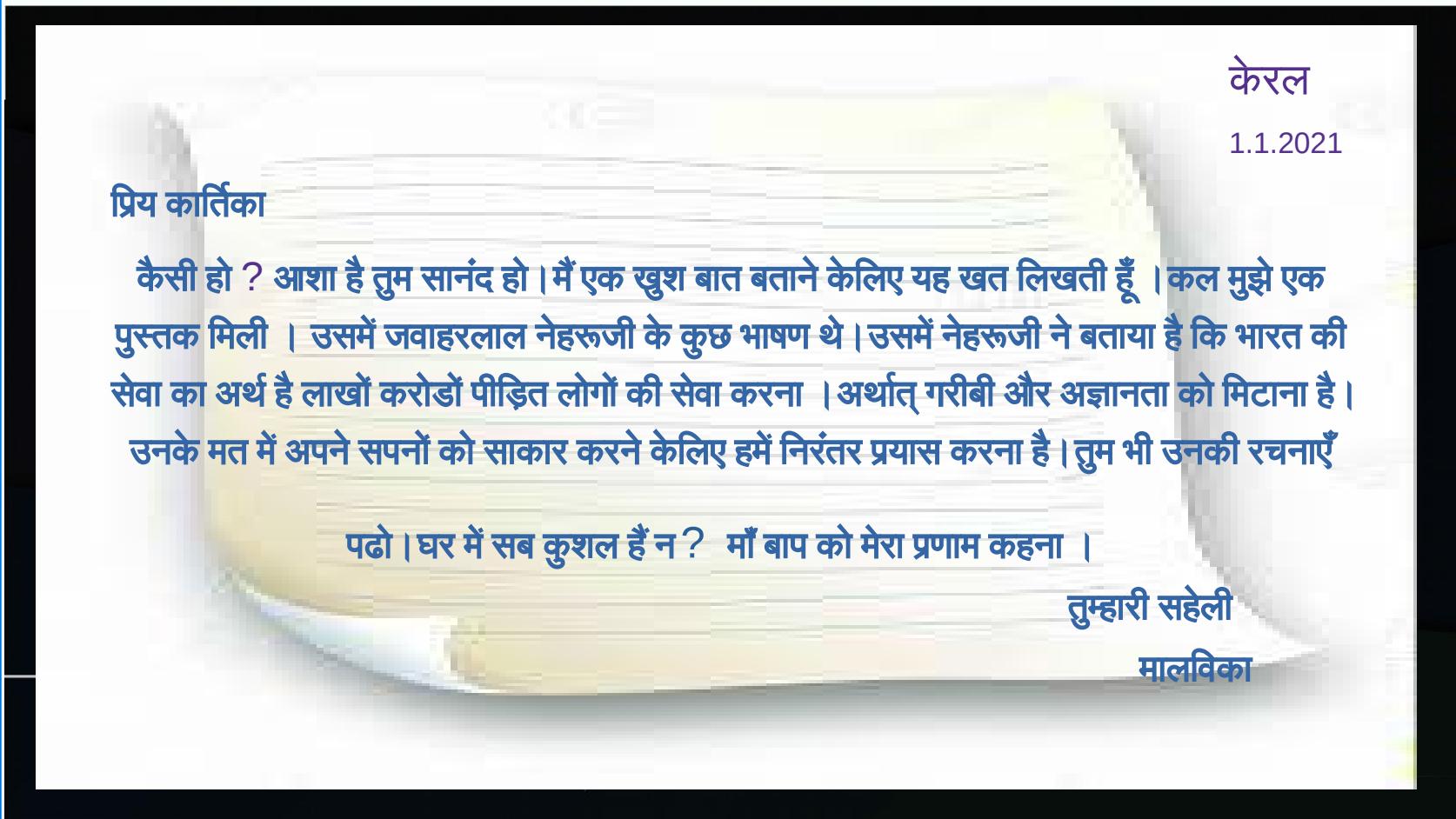


17

नेहरू जी का भाषण पढ़ने वाली छात्रा मालविका अपनी सहेली कार्तिका को एक पत्र लिखती है। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

അതുവും പ്രസംഗമാണിത്?	नेहरूजी का
ഭാരതത്തെ സേവിക്കുക എന്നാൽ എന്താണ്?	भारत की सेवा का अर्थ है लाखों करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना
ഭാരതത്തെ എങ്ങനെ സേവിക്കാമെന്നാണ് കൊള്ളു ജീ പറയുന്നത്?	गरीबी और अज्ञानता को मिटाना
ദാനിദ്ര്യവും അർത്ഥവില്ലായ്മയും എങ്ങനെ നിയന്ത്രിക്കാമെന്നാണ് കൊള്ളു ജീ പറയുന്നത്?	निरंतर परिश्रम करके

ഇവ സുചകങ്ങൾ മനസ്സിൽ കയ്യൻ നട്ടെക്കായ കത്തെഴുതി നോക്കാം



കത്തെഴുതുന്നത് എന്നെന്നെയെന്ന് മനസ്സിലായിപ്പേ..... ഇനി തിന്നും സ്വന്തമായി ഒരു കത്തെഴുതി നോക്കു.....



18

दोस्ती फिल्मी गीत पढ़ने के बाद मीना अपनी सहेली सूर्या को एक पत्र लिखती है। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

सहायक संकेत :

- जीवन में दोस्ती का स्थान
- दोस्ती का महत्व
- अच्छी दोस्ती की आवश्यकता

കത്തौ എഴുതിയതിന് ശ്രേഷ്ഠം നുചക്കങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് കത്തौ വിലയിക്കുക....

निम्नलिखित मूल्यांकन सूचकों के आधार पर पत्र की निजी परख करनी है।



- पत्र का आशय ग्रहण किया है।
- सही शुरुआत है।
- पत्र की भाषा शैली अपनाई है।
- पत्र की रूपरेखा का पालन किया है।



विधा- 8

अनुवाद



नीतेश एक प्रोफेशनल विवरणकारी। अपने काम में तरंज़िज़िम चेयर्टिकृतों ?

उसे डॉक्युमेंट विषयीय बहुत लाभ होता है।
इसके लिए विषयीय नियमों का अभ्यास करना चाहिए।

इन दोनों नियमों का अनुवाद कैसे किया जाता है ?

विवरणकारी / तरंज़िज़िम चेयर्टिकृत
एक डॉक्युमेंट विषयीय नियमों का अनुवाद कैसे किया जाता है ?

एक डॉक्युमेंट विषयीय नियमों का अनुवाद कैसे किया जाता है ?

स्रोत भाषा - Source language

लक्ष्य भाषा - Target language

എങ്കിൽ തർജ്ജിമ ചെയ്യുന്നോൾ ശ്രദ്ധിക്കേണ്ടകാര്യങ്ങൾ എന്തൊക്കെ എന്ന് നോക്കിയാലോ?



- തന്റിരിക്കുന്ന ഭാഷയിലെ ആശയങ്ങൾ ഗ്രഹിക്കുക .
- സമാനപരങ്ങൾ കണ്ടതുക
- ലക്ഷ്യഭാഷയുടെ ശൈലിയിൽ ആശയത്തെ തർജ്ജിമ ചെയ്യുക.

നമുക്കാരു വിവർത്തനം ചെയ്തു നോക്കിയാലോ?
ഇംഗ്ലീഷ് ഭാഷയിലെ ഈ ഭാഗം നോക്കോ.



19

हिंदी में अनुवाद करें।

A student life is very important. It is the foundation of future. It is a preparation for the whole life. Future success depends on how it is spent. Students are the leaders of tomorrow . A student learns many new things. He enjoys games. He takes part in debates. It is a very interesting period.

വിവർത്തനം ചെയ്യുന്നതിന് മുൻപ് ചില ചോദ്യങ്ങൾ നോക്കാം.

*നിങ്ങൾക്ക് തന്നിരിക്കുന്ന ചോദ്യത്തിലെ വിഷയമെന്താണ്?	വിദ്യാർത്ഥി ജീവനും മഹത്വം
* ഇതിലെ ചില സമാന പദങ്ങൾ ഒന്ന് കണ്ടത്തി നോക്കിയാലോ ?	foundation- നീവ്, future- ഭവിഷ്യ. preparation- തैയാരി, whole life- പൂരാ - ജീവന success- വിജയ, depend- നിർഭർ, spent- ബിത്താനാ, debate- വാദ- വിവാദ , takes part- ഭാഗിദാര, interesting- മജോദാര
* എത്തൊക്കെ വാക്കുകൾ കണ്ടത്താം ?	

പരീക്ഷയ്ക്ക് ഇതുപോലെ നിങ്ങൾക്ക് ബുദ്ധിമുട്ടുള്ള വാക്കുകൾ നല്കിയിരിക്കും .

ഇനി ഇതുമായി ബന്ധപ്പെട്ട് ചില ചോദ്യങ്ങളുടെ ഉത്തരങ്ങൾ നോക്കിയാലോ?

വിദ്യാർത്ഥി ജീവിതത്തിലൂടെ പ്രത്യേകത എന്താണ്?	यह भविष्य की नीव है।
ഇത് ഭാവിജീവിതത്തിലെ അടിത്തരയാണ് അല്ല?	यह पूरे जीवन की तैयारी है।
ഭാവി ജീവിതം എന്തിനെ ആഗ്രഹിച്ചിരിക്കുന്നോ ? അത് എന്തെന്ന ചിലവഴിക്കുന്നോ എന്നാൽ എന്നെന്ന അല്ല?	भविष्य की विजय इसे बिताने में निर्भर है।
നാളത്തെ നേതാക്കൾ ആരോക്കയാണ്?	वിദ്യാർത്ഥി

എന്ന് കൊണ്ടാണ് വിദ്യാർത്ഥി ജീവിതം
വളരെ
രസകരമായ കാലഘട്ടം എന്ന് പറയുന്നത്

छात्र नयी - नयी बातें सीखता है | खेलों से आनंद लूटता है |
संवादों में भागीदार होता है | यह एक मजेदार समय है |

ഈ ഉത്തരങ്ങൾ വച്ച് നമക്കാന് വിവർത്തനം ചെയ്തു സന്നാക്കിയാലോ ? വിവർത്തനം ചെയ്യുന്ന ഭാഗത്തിനെ അനായോജ്യമായ തലക്കെട്ടും നൽകാം. എങ്കിൽ ഈങ്ങനെ തുടങ്ങിയാലോ ?



विद्यार्थी जीवन

जीवन में विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव है। यह पूरे जीवन की तैयारी है। भविष्य की विजय इस पर निर्भर है कि वह कैसे बिताता है। विद्यार्थी कल के नेता हैं। एक छात्र नयी-नयी बातें सीखता है। खेल - कूद का आनंद लूटता है। संवादों में भागीदार होता है। यह एक मजेदार समय है।

හුණි හුතු පොලේ වෙරාත තර්ඹීම තුන් ගෙයෝතු ගොකියාලො ?



നോക്കേ ഇതൊരു സംവാദമാണ്. ചോദ്യാത്തര റിതിയാണ് ഇതിന്റെ ശൈലി.



संवाद का हिंदी में अनुवाद करें।

Mohan: Hai Rakesh. Why are you looking so sad?

Rakesh: I am worried about my exam

Mohan: What about your preparation?

Rakesh: I am weak in English

Mohan: Dont worry, you have to spend more time for English.

Rakesh: Thank you.

ഇന്നി ഇതിൽ നിന്നും ചില ചോദ്യങ്ങൾ നോക്കാം.

ചില വാക്കുകളുടെ സമാനപദ്ധതി എന്ന്
കണ്ടതാൽ
നോക്കിയാലോ ?

preparation- തैയारी, weak-
കമजോർ,
worried- ചിന്തിത

എന്തുകൊണ്ടാണ് രാകേഷ് ദുരിതനായി
കാണപ്പെടുത്തു ?

പരीക്ഷാ സे ।

എന്തു വിഷയമാണ് രാകേഷിന്
പ്രധാനം ?

അംഗ്രേജി

മോഹൻ ഇതിനുള്ള പരിഹാരമെന്തെന്ന
പറയുന്നു ?

അധിക സമയ ബിത്താനാ ഹൈ ।

രാകേഷിന്റെ മറുപടി എന്തായിരുന്നു?

ധന്യവാദ

॥२॥ उत्तरणाले वच्च तरज्जीम चेय्तु गोक्कियाले ?



मोहन - हाय राकेश, तुम दुखी क्यों हो?
 राकेश - मैं परीक्षा से चिंतित हूँ।
 मोहन - क्या- क्या तैयारियाँ की हैं?
 राकेश - मैं अंग्रेजी में कमजोर हूँ।
 मोहन - चिंता मत करो। तुम्हें अंग्रेजी
 के लिए अधिक समय बिताना है।
 राकेश - धन्यवाद।

॥३॥ तरज्जीम चेय्येण ठीकी मन्त्रीलायाले ?

॥४॥ उत्ती उत्तरमायी विवरितता० चेय्तु गोक्कियाले ?

विवरितता० चेय्येण शोब्य० गोक्कि०



अंग्रेजी खंड का हिंदी में अनुवाद करें।

Education plays an important role in everyone's life. It develops our analytical skill, character and overall personality. Quality and importance of education is increasing day by day. Education helps a person to take better decision in his life.

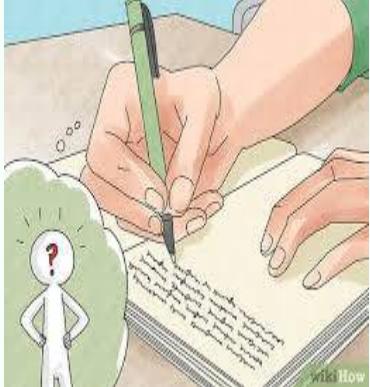
(Education- शिक्षा, plays an important role - महत्वपूर्ण भूमिका निभाना, develops- विकास Quality-गुण, analytical skill- विश्लेषणात्मक कौशल, character- चरित्र, overall personality - समग्र व्यक्तित्व, day by day- दिन- ब- दिन, better decision- बेहत्तर निर्णय)

॥१॥ इन् वीलायीकृतताले लुचकड़ैर वच्छृं सृजय० इन् वीलायीकृतती गोऽक्षुः ।



मूल्यंकन सूचक-

- * स्रोत भाषा का आशय ग्रहण किया है ।
- * आशय का विश्लेषण किया है ।
- * लक्ष्य भाषा में आशय को अनूदित किया है ।



विधा - ९

चरित्र पर टिप्पणी



नीनेहृदय जीवितताति
एनेषेषकीलूं एतेषकीलूं महत्
व्यक्तिकृत सुवायीनं उलोभायीकृतेऽ?
एषीत्ते अवर अतरोक्तेयाणे?

गाँधीजी
बाबा आमटे
मदर तरेसा
अब्दुल कलाम

उन्ने ओरत्तेनोक्ते... अवरतेन एतेषक्ते सुवावसविशेषतकृताणे नीनेहृदय
अत्तकृत्तीश्चतुर्थे?
अत् सुवावसविशेषतकृत् एतेषक्तेयाणे?
अवरतेन संबोधनात्तिलृत अत् व्यक्तमाक्तिलै?
सुवावसविशेषतकृत् एषत्तेष्वाश्च श्रुतिक्षेण तार्यात्तेष्वाश्च एतेषक्तेयाणा
केनाक्तियालो?



- * संबोधनात्तिलै अत्तशयं मनस्सीलाक्तेणा.
- * अत्तिलृत सुवावसविशेषतकृत् एतेषक्तेयाणा मनस्सीलाक्तेणा.
- * सुवावसविशेषतकृत् उचितमाय भाष्यत्तेष्वाश्च व्यक्तमाक्तियालो.

ହୁଣି ନମ୍ବର ପରିଚ୍ୟ ଓ ଏ ପାଠ୍ୟତିଲେ ଶୋଭ୍ୟ ଗୋକ୍ଳିଯାଲୋ ..



22

ବାଦଶାହ କେ ଖତ କେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ବାକ୍ୟ ପଢ଼େ ।

- * ତୀନ ଦଫା ସୁନନେ କେ ବାଦ ଭୀ ଦିଲ କୋ କରାର ନହିଁ ଆୟା ।
- * ଦିଲ୍ଲିଵାଳେ ମୁଝକୋ ରୋତେ ହୋଗେ । କେ କ୍ୟା ଯହ ନହିଁ ଜାନତେ କି ମୈ ଭୀ ଉନକୋ କୋ ରୋତା ହୁଁ ।

ଉପର୍ଯୁକ୍ତ ବାକ୍ୟଙ୍କ ଆଧାର ପର ବାଦଶାହ ବହାଦୁରଶାହ ଜଫର କେ ଚରିତ୍ର ପର ଟିପ୍ପଣୀ ଲିଖେ ।

ସ୍ଵଭାବ ସାଧିଶେଷତକର୍ତ୍ତା ଏହି ବାଦଶାହ ଜଫର କେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା ?

ହୁଣି ଶୋଭ୍ୟତିଲେ ଅନୁଷ୍ଠାନ ସ୍ଵଭାବ ସାଧିଶେଷତକାଳୀନୀ ଏହି ବାଦଶାହ ?	ବହାଦୁରଶାହ ଜଫର
ହୁଣି ଅନୁଭୂତତତ ବାକ୍ୟ ଗୋକ୍ଳି. "ମୁଖୀ ତଥା ବାଯିଶ୍ୱରଶେଷବୁ ମନ୍ଦ୍ରୀଙ୍କ ଲୁବଂ ଲାଭିଶ୍ରିଲ୍ଲି . " ଏହି ବାକ୍ୟଙ୍କ ପାଇଁ ?	ବେଟୀ କା ଖତ
ଏହି କାଣ୍ଡାଯିରିକିଙ୍କ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତତିକିଙ୍କ ମନ୍ଦ୍ରୀଙ୍କ ଲୁବଂ ଲାଭିକାରିତତକ ?	ବାଦଶାହ କେ ମନ ମେ ଅପନେ ପରିଵାରକାଳୀନୀ କି ସୋଚ ହେ । ବେଟୀ କେ ପ୍ରତି ପ୍ରେସର ହେ ।
ହୁଣି ରଣଭାବରେ ବାକ୍ୟ ଗୋକ୍ଳି . "ତମେ ହି ନିର୍ବାଳିକର୍ତ୍ତା ତଥା କାନ୍ଦିଶ୍ଵରରେ କରୁଣାରଣ୍ୟକର୍ତ୍ତା ଏବଂ ତଥା ଅବରକ୍ଷଣିଶ୍ଵରରେ ବିଲପିକକାରୀଙ୍କ " ଏହି ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତତିରୁ ଏହି ସ୍ଵଭାବ ଗୁଣାବତରଣଙ୍କ କାଣ୍ଡାଯିକାରିତକ ?	ଏକ ନ୍ୟାୟପ୍ରିଯ ରାଜା ପ୍ରଜାହିତ ଚାହନେବାଳା ଶାସକ

ਕਿਨ੍ਤੂ ਪਠਣ ਵਿੱਚ ਹੁਏ ਉਤਤਰਾਂ ਲੈਣਾਂ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਤਤੀਬਾਕੀ ਨਾਲ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਸੁਭਾਵ ਸਾਡੇ ਹੋਣਾ ?



ਬਹਾਦੁਰਸ਼ਾਹ ਜਫਰ

ਬਹਾਦੁਰਸ਼ਾਹ ਜਫਰ ਕੇ ਮਨ ਮੈਂ ਅਪਨੀ ਬੇਟੀ ਕੇ ਪ੍ਰਤਿ ਪਾਰ ਹੈ | ਵੇ ਏਕ ਨਿਆਅਧਿਕ ਰਾਜਾ ਥੇ | ਪ੍ਰਯਾਹਿਤ ਕਰਨੇਵਾਲੇ ਸ਼ਾਸਕ ਥੇ | ਉਨਕੇ ਮਨ ਮੈਂ ਦੇਸ਼ਪ੍ਰੇਮ ਔਰ ਦੇਸ਼ਵਾਸਿਯਾਂ ਕੇ ਪ੍ਰਤਿ ਚਿੰਤਾ ਹੈ |

ਹੁਕੀ ਹੁਤੁਪੋਲੇ ਵੇਗੀਂ ਸੁਭਾਵ ਸਾਡੇ ਹੋਣਾਂ ਵਿੱਚ ਕ੍ਰਿਕੀ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ?
ਚੋਤ੍ਯਾਂ ਹੁਕਾਮਾਂ ..



23

ਧੇਰ ਕਥਨ ਪਢੋ ।

- * ਵੇ ਤੋ ਬਿਨਾ ਆਈ ਸੌਤ ਮਰ ਗਏ ।
- * ਅਥ ਹੁੱਸੇਂ ਧਾਰੇਂ, ਕੋਈ ਫਾਯਦਾ ਨਹੀਂ ।

ਉਪਰਾਲਾ ਕਥਨਾਂ ਕੇ ਆਧਾਰ ਪਰ ਬਹਾਦੁਰਸ਼ਾਹ ਜਫਰ ਕੇ ਚਰਿਤ ਪਰ ਟਿੱਪਣੀ ਲਿਖੋ ।

ഇനി കുറച്ച് ചോദ്യങ്ങൾ ...

ആരാബ് മരണം ആവശ്യപ്പെടാതെ തന്നെ മരണത്തിലേയ്ക്ക് പോകുന്നത് ?	ദേശവാസിയാഁ
അവർ എത്രകൊണ്ടാണ് രക്തസാക്ഷികളായത് ?	അപൻ മാതൃഭൂമി കു ലി
എന്തിന്റെ വേണ്ടിയാണ് രക്തസാക്ഷികളായത് ?	ദേശ കീ ആജാദി കു ലി
ഇവിടെ ചക്രവർത്തിയുടെ മനസ്സിലെ വികാരമെന്താകാം ?	അപനേ ദേശ കോ ബചാനാ
ഇനി കരഞ്ഞാലും ചിരിച്ചാലും ഒരു പ്രയോജനവുമില്ല - സ്വന്തം ദേശത്തിനെ രക്ഷിക്കാൻ കഴിയാതെ വന്നേപാഴുള്ള ചക്രവർത്തിയുടെ മാനസിക അവസ്ഥ എന്തായിരിക്കാം ?	കൈദി ഹൈ , പര ഏക സാഹസി മന ഹൈ

ഇനി നിങ്ങൾ പറഞ്ഞ ഈ ഉത്തരങ്ങളും ചേർത്തു് ചക്രവർത്തിയുടെ
സ്വഭാവസ്വിഗ്രഹകകൾ എഴുള്ള ..



ചരിത്ര പര ടിപ്പണി-

ബഹാദുർഷാഹ് ജഫർ

ബഹാദുർഷാഹ് ജഫർ കു മന മേം അപനേ ദേശവാസിയാഁ കു പ്രതി മമതാ ഹൈ | വേ പ്രജാ ഹിത ചാഹനേവാലേ രാജാ ഹൈ | ഉനകു മന
മേം ദേശവാസിയാഁ കു ശാഹിദ ഹോനേ കാ ദുഖ ഹൈ | കൈദി ഹോനേ പര ഭി ഉനകു മന മേം ഏക സാഹസി കാ വിചാര ഹൈ |

શોર્યો ગોકૃષી...



24

ये कथन पढ़ें।

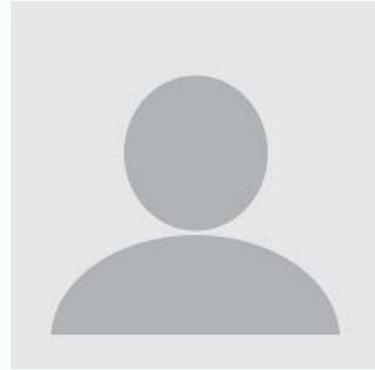
- * हमारी कब्र परदेस में बनेगी, तय है।
- * लेकिन अभी तो हम लकड़ी की भीगी हुई कब्र में जिंदा ही दफ़न है।
- कथनों के आधार पर बहादुरशाह जफर के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।



શ્રી વીલાયીજતતતલે સુચકણ્ડળે વચ્ચે સ્વયં ગત્તો વીલાયીજતતી ગોકૃષી...

મूल्यांकन बिंदु

- ◆ चरित्र पर प्रकाश डालनेवाले संवादों का विश्लेषण किया है।
- ◆ विशेषताओं के आधार पर टिप्पणी लिखी है।
- ◆ चरित्र की विशेषताओं का समर्थन अपने दृष्टिकोण से किया है।



**വിധാ- 10
ജീവന്- വൃത്തം**



നിങ്ങൾ വ്യക്തികളുടെ പ്രാഹ്നേതർ വായിച്ചിട്ടുണ്ടാകും അല്ലോ? അതിൽ നിനം എന്താക്കു കാര്യങ്ങളാണ് നമ്മൾ മനസ്സിലാക്കാൻ പറ്റുന്നത്?

ആരാണ് ആ വ്യക്തി എന്നം അദ്ദേഹത്തിന്റെ ജനനം , മറ്റ് വ്യക്തിവിവരങ്ങൾ , സാഹിത്യ സംഭാവനകൾ , പുരസ്കാരങ്ങൾ എന്നിവയെക്കു .അല്ലോ? ഒരു പ്രാഹ്നേതർ വായിച്ചുതിനാശേഷം അതിനെക്കുറിച്ച് ഒരു വണ്ണിക എഴുതുവാൻ എന്താക്കു കാര്യങ്ങൾ ശ്രദ്ധിക്കണം ?



- പ്രാഹ്നേതർ ആര്യദത്താണെന്നാഞ്ഞുത്
ശ്രദ്ധിക്കണം .
- പ്രാഹ്നേതലിൽ പറഞ്ഞിരിക്കുന്ന കാര്യങ്ങൾ
എന്താക്കുയാണെന്ന് ശ്രദ്ധിക്കണം .
- ഉചിതമായ ഭാഷയിൽ വ്യക്തമാക്കണം

എക്കിൽ ഒരു വ്യക്തിയെക്കുള്ള വിവരങ്ങൾ കിട്ടിയാൽ അത് ചേർത്ത് ഒരു വണ്ണിക എഴുതാൻ കഴിയില്ല ?
എന്നാൽ ഒന്ന് എഴുതി നോക്കിയാലോ ?

ചോദ്യം നോക്കു....



25

ജീവന്- വृത്ത പഠ്ഠേ ഓരു ഇനക്കേ ആധാര പര അനുച്ഛേദ ലിഖേം |

നാമ	മൈതിലീശ്വരൻ ഗുപ്ത
ജന്മ	1885
ജനസ്ഥാന	ഉത്തര പ്രദേശ് കേ ചിരഗാംബ മേം
രചനാർ	സാക്ഷേ, യശോധരാ, ജയദ്രഥവദ്ധ, പംചവട്ടി, കാബാ- കരബലാ
പുരസ്കാര	1954 മേം പദ്മഭൂഷൺ
മര്ത്യ	1965

ഈ കുറച്ച ചോദ്യങ്ങൾ ചോദിക്കു.

ഇവിടെ ആരുടെ പ്രോഫെസ്ശൻ നൽകിയിരിക്കുന്നത് ?	ശ്രീ മൈതിലീശ്വരൻ ഗുപ്ത
അദ്ദേഹം ഫിനിയിലെ പ്രശസ്തനായ ഒരു കവിയാണെന്നിയാമല്ലോ?	മൈതിലീശ്വരൻ ഗുപ്ത ഹിന്ദി കേ പ്രതിഭാഷാലീ കവി ഹൈ
വേരു എന്നൊക്കെ കാര്യങ്ങളാണ് സൂചിപ്പിച്ചിരിക്കുന്നത് ?	
അദ്ദേഹം എപ്പോഴാണ് ജനിച്ചത് ?	ഉന്നകാ ജന്മ സന् 1885 കോ ഹുआ

એટુ સહલતાળું જગીચુટ?	ઉનકા જન્મસ્થાન ઉત્તર પ્રદેશ કે ચિરગાંવ મેં હૈ
આદેહઠો એણેણે રચનકૃતાળું એજુટિયુન્ટુણુટ?	સાકેત, યશોધરા, જયદ્રથવધ, પંચવટી, કાબા- કરબલા આદિ ઉનકી શ્રેષ્ઠ રચનાએँ હુંની
આદેહઠતીનું રાજ્યું એટુ પુરસ્કારું નાણી યાળું અનુભૂટુટ?	આપકો સન् 1954 મેં પદ્મભૂષણ કી ઉપાધિ મિલી દેશ ને ઉન્હેં સન् 1954 કો પદ્મભૂષણ કી ઉપાધિ સે સમ્માનિત કિયા



મैથિલીશરણ ગુપ્ત

શ્રી મैથિલીશરણ ગુપ્ત હિંદી કે પ્રતિભાશાલી કવિ હુંની | ઉનકા જન્મ સન્ 1885 કો હુઆ | ઉનકા જન્મસ્થાન ઉત્તર પ્રદેશ કા ચિરગાંવ હૈ | સાકેત, યશોધરા, જયદ્રથવધ, પંચવટી, કાબા- કરબલા આદિ આપકી પ્રમુખ રચનાએँ હુંની | ઉન્હેં પદ્મભૂષણ કા પુરસ્કાર મિલા હૈ | ઉનકી મૃત્યુ સન્ 1965 કો હુઝી |

ખુલ્લી ખુલ્લોપોલે જારેળ્ણું કુંડી ચેયું ગોાકીયાલો ?

ચોડ્યું ખુલ્લાળું ..



26

જીવન- વૃત્ત પદ્ધે ઓર ઇનકે આધાર પર અનુચ્છેદ લિખેં |

नाम	हिमांशु जोशी
जन्म	1935
जन्मस्थान	उत्तराखण्ड
रचनाएँ	यात्राएँ, नार्वे; सूरज चमके आधी रात
देन	पत्रकारिता तथा आकाशवाणी के क्षेत्र

ഇനി കുച്ച ചോദ്യങ്ങൾ ചോദിക്കു ?

പ്രാബല്യ ആര്യത്വത്വാം ?	ഹിമാംശു ജോഷീ
അദ്ദേഹം ഹിന്ദിയിലെ പ്രമുഖനായ ഒരു സാഹിത്യകാരനാാം അല്ല ?	പ്രമുഖ സാഹിത്യകാർ/ പ്രതിഭാവാന രചനാകാർ
പ്രാബല്യിൽ സൂചിപ്പിച്ചിരിക്കുന്ന മറ്റ് കാര്യങ്ങൾ എന്താക്കുന്നു ?	ജന്മ- 1935, ജന്മസ്ഥാന- ഉത്തരാധികാർ രചനാ- യാത്രാ, നാര്വേ; സൂര്യ ചമകേ ആധി രാത്
അദ്ദേഹത്തിന്റെ സാഹിത്യ സംഭവങ്കൾ എത്രക്കു മേഖലകളിലാം ?	പത്രകാരിതा തथാ ആകാശവാണി

ഈ ഇതൊന്നു എഴുതി നോക്കിയാലോ ?



Answer

हिमांशु जोशी

हिमांशु जोशी हिंदी के प्रमुख साहित्यकार हैं। उनका जन्म सन् 1935 को हुआ। उनका जन्मस्थान उत्तराखण्ड है। यात्राएँ, नार्वे; सूरज चमके आधी रात आदि आपकी रचनाएँ हैं। पत्रकारिता और आकाशवाणी के क्षेत्र में आपकी देन महत्वपूर्ण है।

झगड़ी छला सुयां गृष्णतीर्णोऽति...
छोड़ाउ...
छोड़ाउ.....



27

जीवन - वृत्त पढ़ें और एकांत श्रीवास्तव के बारे में एक अनुच्छेद तैयार करें।

नाम	एकांत श्रीवास्तव
जन्म	1964 को
जन्म स्थान	छत्तीसगढ़ के छुटा गाँव में
आत्म रचना	मेरे दिन मेरे वर्ष
पुरस्कार	केदार सम्मान

ഇവിടെ ആരോക്കണിച്ചാണ് പറഞ്ഞിട്ടുള്ളത്?

എന്നൊക്കെ വിവരങ്ങളാണ് നൽകിയിരിക്കുന്നത്? എന്നാൽ എഴുതി നോക്കു ..

ഈ വിലയിൽത്തൽ സൂചകങ്ങൾ വച്ച് സ്വയം ഒന്ന് വിലയിൽത്തലി നോക്കു .



മൂല്യാക്കന്മാർക്ക് സൂചി-

- ആശയ ഗ്രഹണ കിയാ ഹൈ |
- ക്രമബദ്ധതാ ഹൈ |
- ഉചിത ഭാഷാ കാ പ്രയോഗ ഹൈ |



വിഥാ 11 പോസ്റ്റർ



നിങ്ങൾ പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കിയിട്ടാലോ ! പോസ്റ്റർ ലൈഡ, കാര്യപരിപാടികൾ സംഭവങ്ങൾ എന്നിവ പൊതു സമൂഹത്തെ അറിയിക്കാൻ കഴിയുമോ.

പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കുന്നും എന്തെല്ലാം കാര്യങ്ങൾ ആണ് ശ്രദ്ധിക്കേണ്ടതെന്ന് നോക്കിയാലോ?



- പ്രധാന വിഷയം തലക്കെട്ടായി എഴുതണം
- വിഷയത്തിലെ സൂലം, തീയതി,
- സമയം തുവ രേഖപ്പെടുത്തണം.
- വാക്യങ്ങൾ സംക്ഷിപ്തമായിരിക്കണം.
- മുൻകണ്ണം ആകർഷണിയാമായിരിക്കണം.

നമ്മൾ ഒരു പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കാം.

പോസ്റ്റർ രചനയ്ക്കുള്ള ചോദ്യം നോക്കിയാലോ.



28

സാതവാ� വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേലന സൂരീനാമ മെ ഫോനേവാലാ ഹൈ | ഇസ്കേ ലിഇ എക് ആക്ഷർക്ക പോസ്റ്റർ തൈാര കരേ |

പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കുന്നതിനു കുറച്ചു ചോദ്യങ്ങൾ നോക്കാം. ഉത്തരങ്ങൾ നൽകാൻ കഴിയുമല്ലോ?

പോസ്റ്റർ രചനയുടെ വിഷയം എന്താണ്?	സാതവാഁ വിശ്വ ഹിന്ദി സമ്മേലന
എഴാം വിശ്വഹിനി സമ്മേളനം എവിടെ ആണ് നടക്കുന്നത്?	സൂരീനാമ കേ പാരാമാരിബോ മെ
സമ്മേളനം എപ്പോഴാണ് നടക്കുന്നത്?	06 ജൂൺ 2003 സെ 09 ജൂൺ 2003 തക
സമ്മേളനത്തിന് ആരംഭം കിട്ടുന്നത് ആരാണ്?	സൂരീനാമ കേ രാഘവപതി റൂനാല്ഡോ വേനേറ്റിശയാൻ
പ്രധാന കാര്യ പരിപാടികൾ എന്തല്ലാം ആണ്?	സംഗോഖ്യ, ഭാഷണ, കവി - സമ്മേലന, ഹിന്ദി സാഹിത്യകാരാം കാ ആദര

හුඟ ඉතුරුණෙක් කොන් පොසුර තයුරාගාකියාලෝ?



හුගි තමුන් ඕන පොසුර කුඩා තයුරාගාකාව.



सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन २००६

०६-०६-२००३ से ०९-०६-२००३ तक

सूरीजास्थ के पारमारिबो में २००६

सम्मेलन का शुभारंभ श्री रमेश बैजोहियाज्ञान

सूरीजास्थ के सम्प्रति

*भाषण

*संगोष्ठी

*कवि सम्मेलन २००६

*हिंदी साहित्यकारों का आदेश

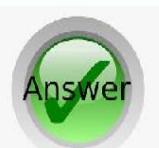
*हिंदी भाषा विश्व की भाषा २००६

हिंदुस्तान की सार्वकालिक बेहतरीन फिल्म 'शोले' का पुनःप्रदर्शन मार्च १ से मुंबई के मिनर्वा सिनेमाघर में होनेवाला है।
इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें।

ओपाल्पर तथा ग्राफिक्स टाइप टेक्निक तथा टेक्निक्स ओपाल्पर एडिटर उत्तम उत्तम।

എന്തിനെ കരിച്ചാണ് പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കേണ്ടത്?	शोले का पुनः प्रदर्शन
ഹോലെ എന്ന സിനിമയുടെ വിശേഷത എന്താണ്?	हिंदुस्तान की सार्वकालिक बेहतरीन फില്മ
സിനിമയുടെ പുനഃപ്രദർശനം എവിടെയാണ് നടക്കുന്നത്?	मुंबई के मिनर्वा സിനേമാഘര മേം
പുനഃപ്രദർശനം എപ്പോഴാണ്?	1 मार्च 2021 से
ഹോലെയുടെ സംവിധായകൻ ആരാണ്?	रमेश സിപ്പി
ഹോലെയുടെ തിരക്കെക്കമാക്കുത്തകൾ ആരാക്കേയാണ്?	जावेद अख्तर और सलीम खान
മുഖ്യ അഡിനേന്റൊകൾ ആരാക്കേയാണ്?	അമിതാഭ ബच്ചൻ, ധർമ്മദ്ര, ഹൈ മാലിനി, ജയാ ബച്ചൻ

ഈ ഉത്തരങ്ങൾ കൊണ്ട് നമ്മക്കൊരു പോസ്റ്റർ തയ്യാറാക്കാം.



‘शोले’ का पुनः प्रदर्शन मिनर्वा सिनेमा घर, मुंबई में १ मार्च 2021 से

निदेशक : रमेश सिंही

पटक्कथा : जावेद अख्तर और सलीम खान

प्रमुख कलाकार : अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेम सालिनी, जया बच्चन

हिंदुस्तान की सबसे बेहतरीन फिल्म देखने का सुनहरा अवसर।

सबका स्वागत

पेंट्रूर तयार करने का मात्र क्षमियत ही।

हमने सुनते हुए क्या पेंट्रूर तयार किया है?

पेंट्रूर तयार करने के लिए क्या करें।



30

मान लें , आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं | इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें |

सहायक सूचक

- * झंडारोहण : सबेरे 9 बजे, प्रधान अध्यापक
- * स्वतंत्रता संदेश : स्कूल के नेता
- * प्रतियोगिताएँ : भाषण, देशभक्ति गीत, प्रश्नोत्तरी, निबंध- लेखन

पेंट्रूर तयार कियतीरे फोनों द्वारा दिलाई गयी उपकरणों द्वारा पेंट्रूर सुना जाता है।

निम्नलिखित मूल्यांकन सूचकों के आधार पर पोस्टर की निजी परख करनी है |



- विषय का जरूरी विवरण है |
- विषय का महत्व सूचित है |
- संक्षिप्त वाक्य / वाक्यांश है |
- आकर्षक रूपरेखा है |



വിധാ 12

വിജ്ഞാപന



ഇന്നത്തെ സമൂഹത്തിൽ നാമെല്ലാം പരസ്യങ്ങളിലേക്ക്
ആകർഷിക്കപ്പെട്ടുകൊണ്ടിരിക്കുയാണോ?
വിവിധ ഉത്പന്നങ്ങളിലേക്ക് പ്രവേചനതാക്കാണെങ്കിൽ ആകർഷിക്കുക എന്നതാണ്
പരസ്യങ്ങളുടെ ഉദ്ദേശ്യം.

നമ്മുക്കൊരു പരസ്യം തയ്യാറാക്കിയാലോ?
പരസ്യം തയ്യാറാക്കിവോൾ നാം എന്നെല്ലാം ശ്രദ്ധിക്കണം?



- ◆ പരസ്യം സംക്ഷിപ്തവും ആകർഷണീയവും ആയിരിക്കണം.
- ◆ പരസ്യപെട്ടതുനാം ഉത്പന്നത്തിന്റെ സവിശേഷതകളെക്കിഴച്ച് പ്രതിപാദിക്കണം.
- ◆ ആകർഷണീയമായ തലക്കെട്ട് നൽകണം.
- ◆ ചുത്തണ്ണിയ വാക്കുകളിലൂടെ കൂടുതൽ ആശയം വ്യക്തമാക്കാൻ സാധിക്കണം.
- ◆ ആകർഷകമായ ഭാഷ ഉപയോഗിക്കണം.

ചീതുങ്ങളിലൂടെയും പരസ്യങ്ങൾ ആകർഷകമാക്കാം.
ഈ നമ്മൾ ഒരു പരസ്യം തയ്യാറാക്കാൻമുള്ള ചോദ്യം നോക്കാം.



31

बाजार में सूरदास की पदमाला की सी. डी (C D) निकली है | सी डी की बिक्री बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार करें |

കുറച്ച ചോദ്യങ്ങളുടെ ഉത്തരങ്ങൾ കണ്ടെത്താം.

പരസ്യപ്രക്രിയാ ഉത്പന്നം എത്രാണ്?	പദമाला സീ. ഡീ
പദ്മാല നീ ഡി യിൽ എത്ര കവിയുടെ പദങ്ങൾ ആണ്?	സൂരദാസ
പദ്മാല ആലപിച്ചത് ആരാണ്? (നിങ്ങൾക്കിണ്ണമുള്ള ഒരു ഗായികയുടെ പേര്)	ശ്രീയാ ഘോഷാല
നീ ഡി യിൽ എത്ര പദങ്ങൾ ഉണ്ട്?	ദസ പദ
സീ. ഡി യോടൊപ്പം സഖ്ജന്മായി എത്രാണ് നൽകുന്നത്	പദമാല പുസ്തക

ഈ ഉത്തരങ്ങൾ കൊണ്ട് ഒരു പരസ്യം തയ്യാറാക്കാം.



ഈ ഒരു പരസ്യം കൂടി തയ്യാറാക്കിയാലോ? ചോദ്യം നോക്കാം.

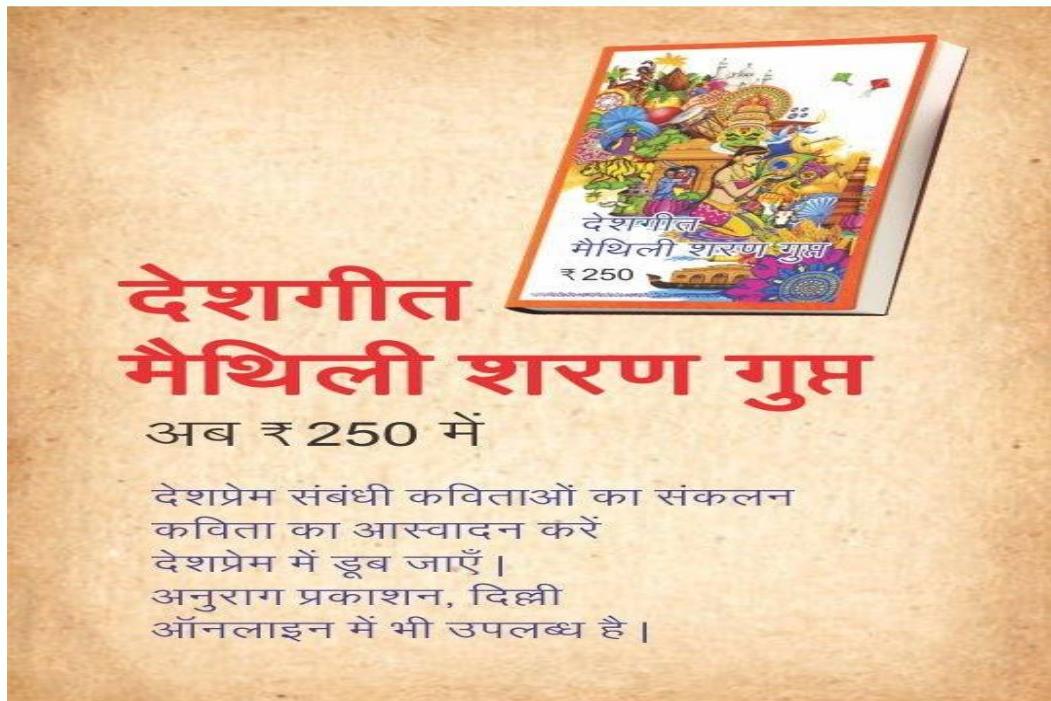


32

श्री मैथिली शरण गुप्त का देशप्रेम संबंधी 'देशगीत' नामक कविता- संकलन निकला है | देशगीत की बिक्री बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार करें ।

പരസ്യം തയ്യാറാക്കുന്നതിന് കുറച്ചു ചോദ്യങ്ങളുടെ ഉത്തരവ് കണ്ടെത്താം.

ପରିସ୍ୟପେଟ୍ରୋତ୍ତମା ବଳ୍ଗୁ ଏଣ୍ଟାଣ୍ଟା?	ଦେଶଗୀତ କବିତା - ସଂକଳନ
ଦେଶେ ଗୀତ୍ ଅତିରିକ୍ତ କବିତାମାହାରଙ୍ଗାଣ୍ଟା?	ମୈଥିଲିଶରଣ ଗୁପ୍ତ
ଦେଶେ ଗୀତିଳ୍ଲେ ଯିଶେଷତ ଏଣ୍ଟାଣ୍ଟା?	ଦେଶପ୍ରେମ ସଂବଂଧୀ କବିତା - ସଂକଳନ
ଦେଶେ ଗୀତିଳ୍ଲେ ପ୍ରକାଶକର ଅତିରାଣ୍ଟା?	ଅନୁରାଗ ପ୍ରକାଶନ, ଦିଲ୍ଲି
ଦେଶେ ଗୀତିଳ୍ଲେ ଯିବ ଏତ୍ତ?	250₹
ପୁଣ୍ୟକଂ ଏଣ୍ଟାଣ୍ଟାଯେଲ୍ଲାଂ ଲଭିକଣ୍ଠ?	ଆନଲାଇନ ସେ



ହୁଏ ଉତ୍ତରଣେଶ୍ଵର ଉପଯୋଗିତ୍ବୁ ନାହିଁ ପରିସ୍ୟ ତର୍ଫୁରାକାଣ୍ଠାଂ।

ହୁଏ ରଣ୍ଟ ପରିସ୍ୟମାତ୍ରକକଣ୍ଠିଲ୍ଲୁଦ ସୃଜନମାଯି ପରିସ୍ୟ ତର୍ଫୁରାକାଣ୍ଠ କଣ୍ଠିରୁମଲ୍ଲୋା. କିମ୍ବା
ପରିସ୍ୟ ସୃଜନମାଯି ତର୍ଫୁରାକାଣ୍ଠିରୁମଲ୍ଲୋା?

പ്രാദ്യം നോക്കാം.



33

बाजार में एक नई कलम आई है। इसके लिए एक विज्ञापन तैयार करें।

सहायक सूचना : सुंदर लिखावट

आकर्षक

तेज लेखन

कम दाम

പരസ്യം തയ്യാറാക്കി കഴിഞ്ഞതാൽ മുല്യനിർണ്ണയ സൂചകങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് സ്വയം പരസ്യം വിലയ്ക്കിരുത്തണം.

निम्नलिखित मूल्यांकन सूचकों के आधार पर विज्ञापन की निजी परख करें।



- संक्षिप्त और आकर्षक है
 - वस्तु की विशेषता बताई है
 - आकर्षक शीर्षक है
 - कम शब्दों में अधिक बात है

सारांश

कुट्टीकलै . . . घोक्कन्सँ छुरीययुमायी वन्यज्ञेऽ ६ पाठ्यान्त्रिक सारांश०
नीजापर्करीयामल्लो ?छकील्य० नमुक्के उगुकुटी परीचयज्ञेऽ ०

मातृभूमि

कवि कहते हैं -

- इस हरी भरी धरती पर आकाशरूपी नीला वस्त्र सुंदर लग रहा है ।
- सूर्य और चंद्र मातृभूमि के मुकुट के रूप में शोभित हैं ।
- समुद्र उसकी करधनी है, नदियाँ देशवासियों के प्रति मातृभूमि का प्रेम- प्रवाह है ।
- फूल और तारे आभूषण हैं ।
- पक्षीगण मातृभूमि की वंदना कर रहे हैं ।
- मातृभूमि शेषनाग के फन रूपी सिंहासन पर विराजमान है ।
- मेघ उनपर वर्षा का अभिषेक करता है ।
- कवि मातृभूमि के सुंदर सगुण मूर्ति पर आत्मसमर्पण करते हैं ।
- मातृभूमि सर्वेश की सगुण साकार मूर्ति है ।
- मातृभूमि की धूल में लोट - लोट कर हम बड़े हुए हैं ।
- इसी धरती पर घुटनों के बल चलते - चलते हमने पैरों पर खड़े होना सीखा ।



- इसी मातृभूमि में रहकर हमने रामकृष्ण परमहंस के समान परमानंद पाया ।
- हे मातृभूमि ! तुझे देखते ही हम आनंद पुलकित हो जाते हैं ।
- यहाँ रहकर हमने जितने सुख पा लिए हैं वे सब कुछ तेरे दिर हुए हैं ।
- यह शरीर भी तेरी संपत्ति है, तुझसे बना है, तेरे ही रस में सना हुआ है ।
- अंत में जब हमारी मृत्यु होगी तब भी यह शरीर तुझमें मिल जाएगा ।

बेटी के नाम



- दिल्ली के अंतिम मुगल बादशाह थे बहादुर शाह जफर ।
- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने बहादुर शाह जफर को कैदी बनाकर रंगून भेज दिया ।
- उनकी बेटी कुलसुम जमानी बेगम दिल्ली में अंग्रेजों की कैद में थी ।
- सख्त नजरबंदी के बावजूद बेटी ने पिता को खत भेजा ।
- उस खत में अपने परिवार एवं देश की दुस्थिति का वर्णन था ।
- बादशाह के मन में अपने देश और परिवारवालों के प्रति अगाध प्रेम था ।
- बेटी के नाम पर लिखे गए खत में भी वे अपने देश की बुरी हालत का जिक्र करते हैं ।

- ईद के अवसर पर कुछ मुसलमान लोगों ने बादशाह को कुछ तोहफे दिये ।
- बदले में उन्होंने मलिका का हार दिया तो कैदियों का खर्चा आधा कर दिया ।
- बादशाह की कब्र परदेश में तय है ।
- रंगून में वे दफनाये गए ।

मेरे भारतवासियो



- 14 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि की वेला में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तिरंगा झंडा फहराते हुए देश से यह अपील की थी . .
- सारी दुनिया सोते वक्त भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा ।
- एक ऐसा क्षण जो इतिहास में बहुत ही कम आता है । दशाब्दों की कोशिशों के फलस्वरूप 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ ।
- स्वतंत्रता की प्राप्ति से गुलामी के एक युग का अंत हो रहा है और एक नए युग की शुरुआत हो रही है ।
- सदियों से शोषित जनता को आज अपना अस्तित्व प्राप्त हुआ है । यह एक ऐतिहासिक क्षण है ।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के इस अनोखे क्षण में हम भारतवासी समर्पण के साथ अपने देश और देश की जनता की सेवा और उससे बढ़कर सारी मानवता की सेवा करने के लिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं ।

- भारतवासियों में अवसरों को समझने और भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने की शक्ति एवं बुद्धिमत्ता है।
- भविष्य में हमें विश्राम करना या चैन से नहीं बैठना है बल्कि निरंतर प्रयास करना है।
- जो वचन बार - बार दोहराते रहे हैं और जिसे हम आज भी दोहराएँगे, उसे पूरा कर सकें।
- हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति महात्मा गांधी की महत्वाकांक्षा यह रही कि हर एक आँख से आँसू मिट जाएँ।
- स्वतंत्र भारत बीमारी, गरीबी, अज्ञानता एवं अवसरों की असमानता से दूर रहे।
- हर एक को अपनी मातृभूमि की सेवा करनी चाहिए।
- नेहरू जी के ये सपने केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए हैं। क्योंकि सारे राष्ट्र और जनता एक दूसरे से बड़ी समीपता से जुड़े हुए हैं। इस सपने को साकार करने के लिए हर एक भारतीय को परिश्रम करना चाहिए।

सूरीनाम में पहला दिन



- सूरीनाम में पहला दिन हिमांशु जोशी द्वारा लिखा गया सातवें विश्व हिंदी सम्मेलन की यात्रा का विवरण है।
- लेखक ने शुरू में सूरीनाम की भौगोलिक सुंदरता का वर्णन किया है।
 - 130 साल पहले भारत से पहुँचाए गए गिरमिटिये श्रमिकों द्वारा अपनी संस्कृति और भाषा को सुरक्षित रखने की कोशिश के बारे में कहा गया है।
 - उसके बाद सातवें विश्व हिंदी सम्मेलन के प्रथम दिन का वर्णन है।
 - विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सूरीनाम के राष्ट्रपति ने अपने भाषण में हिंदी भाषा के महत्व और हिंदी के प्रचार-प्रसार में हिंदी फिल्मों एवं संगीत के योगदान के बारे में बताया।
 - सम्मेलन में लेखक को प्यार के पुनर्मिलन का अनुभव हुआ

पद- सार

मेरे लाल



- सगुणभक्तिधारा के सर्वश्रेष्ठ प्राचीन कृष्णभक्त कवि हैं सूरदास ।
- यह ब्रजभाषा में लिखित सूरदास के वात्सल्य का पद है ।
- अपने बेटे का मोहक चेहरा देखकर माता यशोदा बहुत खुश हुई ।
- आह्लाद के साथ बेटे के दुधिए दाँतों को देखकर लाड - प्यार में यशोदा अपने आपको भूल जाती है ।
- यशोदा बाहर खड़े अपने पति को बुलाती है और पुत्र का सुंदर सुखदाई रूप देखने को कहती है ।
- पुत्र के सुखदाई रूप देखकर यशोदा कहती है ,कि उसके छोटे- छोटे दुधिए दाँतों को देखने पर नयन- सुख प्राप्त हो जाता है ।
- पत्नी की बातें सुनकर आनंदित नंद अंदर आए । उनके मुख एवं चितवन खुशी से भर गए ।
- सूरदास कहते हैं कि किलकारी करनेवाले कृष्ण के दाँतों को देखकर ऐसा लगता है, मानो कमलपुष्प पर बिजली जम गई हो ।

हे कान्ह. . .



- सगुणभक्तिधारा के सर्वश्रेष्ठ प्राचीन कृष्णभक्त कवि हैं
- सूरदास ।
- इसमें सूरदास ने कृष्ण के मुरली गान का तथा कृष्ण के प्रति गोपिकाओं के प्रेम या श्रृंगार का वर्णन किया है ।
- जब मुरली का स्वर सुनाई पड़ा तब गोपिकाएं चकित हुईं ।
- वे अपने सब कामकाज भूल गईं ।

- कुल की मर्यादा तथा धर्मग्रंथों के अनुशासन से वे बिलकुल नहीं डरीं ।
- इस तरह सरिता रूपी गोपिकाएँ कृष्ण रूपी सागर से जा मिलीं ।
- गोपिकाओं ने अपने पुत्र और पति का स्नेह, घर - बार तथा लोक - लाज की परवाह नहीं की ।
- सूरदास कहते हैं कि चतुर कृष्ण नित्य नए - नए तरीकों से गोपिकाओं का मन हर लेता है ।

दोस्ती

- शोले फ़िल्म का मशहूर गीत है दोस्ती ।
- दोस्ती गीत के रचनाकार आनंद बख्शी और संगीतकार आर. डी. बर्मन है ।
- गीत के पार्श्व गायक किशोर कुमार और मन्नाड़े हैं ।
- गीत में दोस्ती के महत्व का वर्णन है ।
- दोस्ती दुनिया का सबसे पवित्र रिश्तों में एक है ।
- हम दोस्ती कभी नहीं छोड़ेंगे । चाहे हमारी साँसें रुक जाए, पर हम दोस्तों के साथ नहीं छोड़ेंगे ।
- दोस्तों की हार- जीत, उनका सुख- दुख सब एक है ।
- एक दोस्त दूसरे दोस्त के लिए अपनी जान पर भी खेल सकता है और सबसे दुश्मनी भी ले सकता है ।
- अपनी पक्की दोस्ती के बारे में दोस्त कहते हैं कि लोगों को तो हम दो नजर आते हैं, लेकिन असल में हम एक हैं, यानि कि हम दो नहीं ।
- दोस्त ईश्वर से माँगते हैं कि वे एक दूसरे से जुदा न हों और एक दूसरे के प्रति खफा न हों ।
- वे चाहते हैं कि खाने - पीने में भी वे साथ- साथ रहें, और जीने - मरने में भी थ- साथ रहें ।

